जीवन दर्शन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शनिवार 4 मई, 2024 » वर्ष 13 » अंक 83 » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

भारत नहीं रहा टेस्ट में नंबर वन, ऑस्ट्रेलिया ने...

पृष्ठ 6 पर

न्यूज ब्रीफ

आप नेता सोमनाथ ने कई पदों से दिया इस्तीफा, कहा- 'मुझे खुशी है कि...'

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने नई दिल्ली लोकसभा सीट से नामांकन से पहले विभिन्न संस्थाओं के मौजूदा पदों से इस्तीफा दे दिया. इसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सदस्यता, डीजेबी के उपाध्यक्ष का पद और दिल्ली कारागार के विजिटर्स बोर्ड की गैर-आधिकारिक सदस्यता शामिल है. भारत के संविधान के अनुसार नामांकन दाखिल करते वक्त उम्मीदवार लाभ का कोई पद नहीं रख सकता है. सोमनाथ भारती ने इन पदों से इस्तीफा देने का विकल्प चुना है. नई दिल्ली लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने अपना इस्तीफा देते हुए लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 25 मई 2024 को होने वाले चुनाव के लिए मैं नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से 4 मई 2024 को अपना नामांकन दाखिल करूंगा.

छिंदवाड़ा में सड़क हादसे में दो की मौत, टक्कर मारने के बाद वैन पर पलटा ट्रक

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा चौरई मार्ग पर सिहोरा के पास शुक्रवार देर रात सड़क हादसा हो गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि वैन में सवार सात लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि सभी घायल छिंदवाड़ा राज टॉकीज क्षेत्र के बताए जा रहे हैं जो बलिमा कार्यक्रम में शामिल होने छिंदवाड़ा से खेरी जा रहे थे, तभी बालाघाट की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक वैन पर पलट गया। इससे वैन में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य 7 बुरी तरह से घायल हो गए। वैन में कुल 9 लोग सवार थे।

पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज के चालक दल को ईरान ने किया रिहा

नई दिल्ली। ईरान ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज के सभी चालक दल को रिहा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन ने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना के साथ पर फोन पर बातचीत की और इसी दौरान उन्होंने चालक दल के रिहाई की जानकारी दी। इसके अलावा, भारत के विदेश मंत्रालय ने सलाह दी है कि अगर इस्राइल और ईरान की यात्रा करते हैं तो सावधानी जरूर बरतें और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें। चालक दल में 25 लोग शामिल थे, जिसमें 17 भारतीय भी थे। भारतीय दल के सदस्यों में शामिल एकमात्र महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को ईरान की सेना ने पहले ही रिहा कर दिया था।

मोदी बोले-टीएमसी ने हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाया

शहजादे को वायनाड से हार का डर, अमेठी से रायबरेली आए, मैं कहूंगा भागो मत

दुगार्पुर ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 3 मई को पश्चिम बंगाल के बर्धमान-दुगार्पुर, कृष्णानगर और बोलपुर में सभा की। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत जय मां दुर्गा, जय मां काली और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ की। पीएम मोदी अपनी स्पीच में मोदी पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, संदेशखाली, राम मंदिर, राम नवमी, वोट जिहाद, कांग्रेस और राहुल गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने पर बोले।

उन्होंने कहा- टीएमसी के एक विधायक कहते हैं, हिंदुओं को भागीरथी में बहा देंगे। ये कौन सी भाषा बोल रहे हैं। बंगाल सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। प्रधानमंत्री बोले- संदेशखाली में दलित बहनों के साथ अत्याचार हो रहा था और यहां की सरकार आरोपी को बचाने में लगी हुई थी। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उसका नाम शाहजहां शेख है। प्रधानमंत्री ने कहा- विपक्ष के लोग दो फेज की वोटिंग के बाद मोदी के खिलाफ वोट जिहाद कर रहे हैं। जिहाद का मतलब देश की जनता अच्छे से समझती है। प्रधानमंत्री ने राहुल पर कहा- शहजादे को वायनाड से हार का डर है, इसलिए अमेठी से भागकर रायबरेली पहुंचे। वे सबको कहते हैं- डरो मत। मैं उनसे कहता हूं- डरो मत...भागो मत।

मुझे देश और आप सबने बहुत आशीर्वाद दिया

प्रधानमंत्री बोले- मुझे देश ने और आप सबने इतना आशीर्वाद दिया है। शायद कोई इंसान अपने जीवन में ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं और सालों-साल ये आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है। जीवन में इससे बड़ा संतोष क्या होता है।

मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं

मोदी बोले- आप भी जानते हैं अगर पद-प्रतिष्ठा की लालसा हो तो एक बार इंसान प्रधानमंत्री की शपथ ले ले फिर उसके जीवन में ऊंचाई को प्राप्त हो ही जाती है, इतिहास में नाम दर्ज हो ही जाता है। लोगों को लगता है कि मोदी जी 2 बार प्रधानमंत्री रहे दुनिया में इतना नाम हो गया, अरे कभी तो आराम करो। मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं। मैं 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। मोदी ने कहा- मैं टीएमसी सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में हमारी दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ। पूरा देश कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन टीएमसी गुनहगार को बचाती रही। क्या सिर्फ इसलिए, क्योंकि उस गुनाहगार का नाम शाहजहां शेख था।

अमेठी छोड़ रायबरेली से राहुल गांधी ने भरा पर्चा तो बीजेपी ने कसा तंज...

नई दिल्ली ■

लोकसभा चुनाव 2024 की सबसे हॉट सीट कही जाने वाली रायबरेली से कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव लड़ने जा रहे हैं. उन्होंने इसके लिए आज शुक्रवार (03 अप्रैल) को नामांकन भी कर दिया. मामले पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वो अमेठी छोड़कर भाग गए. इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वो भी तो वाराणसी किसी सीट को छोड़कर ही आए थे.

उन्होंने कहा, उनसे पूछिए कि वे तो खुद ही भागकर वाराणसी आए हैं. ये वार पलटवार का दौर तब शुरू हुआ जब पीएम मोदी ने एक रैली के दौरान परंपरागत रूप से कांग्रेस पार्टी के कब्जे वाली सीट, रायबरेली से अपना नामांकन दाखिल करने के लिए राहुल गांधी पर कटाक्ष किया. उन्होंने ने कहा, डरो मत भागो मत (डरो मत, भागो मत). जिस पर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पलटवार करते हुए मोदी पर अपने ही निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में भागने का आरोप लगाया.

बीजेपी ने भुनाया मौका

भाजपा ने राहुल गांधी की दोहरी उम्मीदवारी का मजाक उड़ाने का मौका भुना लिया. बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम से जब गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, भाग राहुल भाग, राहुल भाग, राहुल भाग (भागो राहुल भागो), जिसका अर्थ है कि दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने का गांधी का निर्णय केरल के वायनाड में उनकी संभावनाओं में आत्मविश्वास की कमी को दशार्ता है.

शाह के फेक वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस का एक्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता अरुण रेड्डी को गिरफ्तार किया है। अरुण रेड्डी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया सेल का नेशनल कॉर्डिनेटर है और इसकी चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत हैं, जिन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। पुलिस के मुताबिक अरुण ने ही अमित शाह का फर्जी वीडियो बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करवाया। बताया जा रहा है कि जब इस मामले में एक्शन तेज हुआ तो रेड्डी ने मोबाइल से सबूत नष्ट करने की कोशिश भी की। अब दिल्ली पुलिस ने रेड्डी का फोन जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का हमनाम उम्मीदवारों पर रोक लगाने से इनकार...

कहा- राहुल या लालू नाम वाले दूसरे लोगों को चुनाव लड़ने से नहीं रोक सकते

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में एक जैसे नाम वाले उम्मीदवारों पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सतीश चंद्रा और जस्टिस संदीप शर्मा की बेंच ने कहा कि अगर किसी का नाम राहुल गांधी या लालू यादव है तो उन्हें चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा सकता। कोर्ट ने कहा- बच्चों का नाम उनके माता-पिता रखते हैं।

अगर किसी के माता-पिता ने किसी अन्य के जैसा नाम दिया है तो उन्हें चुनाव लड़ने से कैसे रोका जा सकता है? क्या इससे उनके अधिकारों पर असर नहीं पड़ेगा? बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप जानते हैं मामले का हश्र क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। साबू स्टीफन नाम के याचिकाकर्ता ने कहा था कि हाई प्रोफाइल सीटों पर मिलते-जुलते नाम वाले दूसरे उम्मीदवार को चुनाव में उतारना पुराना ट्रिक है। इससे वोटरों के मन में कन्फ्यूजन पैदा होता है। एक जैसे नाम के कारण लोग गलत कैंडिडेट को वोट करते हैं और सही उम्मीदवार को नुकसान होता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टियां जानबूझकर ऐसे कैंडिडेट मैदान में उतारती हैं। इसके बदले हमनाम उम्मीदवार को पैसे, सामान और कई तरह के फायदे मिलते हैं। उन्हें भारतीय राजनीतिक और प्रशासनिक प्रणाली की कोई जानकारी नहीं होती।

याचिका में चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई थी

याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वकील वी के बीजू ने कहा कि वे यह दावा नहीं कर रहे है कि ऐसे सभी उम्मीदवार फर्जी होते हैं या उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है। हालांकि, हमनाम उम्मीदवारों से बचने के लिए एक प्रभावी जांच और सही मैकेनिज्म की जरूरत है। वीके बीजू ने कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल्स, 1961 के नियम 22(3) का हवाला देते हुए मांग की थी कि दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के नाम एक रहने पर उनके काम, निवास या किसी अन्य तरीके से की उनकी अलग पहचान की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार करने को तैयार चुनाव के चलते 7 मई को फैसला

नई दिल्ली ■

दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दो घंटे बहस हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है, ताकि वे कैंपेन में हिस्सा ले सकें। बेंच ने कहा कि मेन केस यानी जिसमें केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है, इसमें समय लग सकता है। कोर्ट ने ईडी से कहा- अगली सुनवाई में अंतरिम जमानत की शर्तों को भी बताया जाए। हमे अंतरिम जमानत देने या न देने पर अभी फैसला करना है। हम 7 मई को इस पर सुनवाई करेंगे। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की तरफ से अरऋ्एसवी राजू ने सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखीं। सिंघवी ने एक बार फिर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है। केजरीवाल ने ईडी के 9 समन का जवाब दिया था। जांच एजेंसी के सामने पेश न होना गिरफ्तारी का आधार नहीं हो सकता।

संजय निरुपम ने 19 साल बाद फिर उठाया तीर-कमान

मुंबई ■

मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम आज (3 मई) मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हो गए। शिवसेना से राजनीतिक करियर की शुरूआत करने वाले निरुपम ने लगभग दो दशक बाद फिर से ह्यघर वापसीह्न पर खुशी जताई है। जबकि सीएम शिंदे ने लोकसभा चुनाव को लेकर विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, यह तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।

मुंबई से पूर्व सांसद संजय निरुपम ने आज शाम शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में ठाणे में शिवसेना का दामन थाम लिया। करीब 19 साल पहले अविभाजित शिवसेना पार्टी छोड़कर निरुपम 2005 में कांग्रेस में शामिल हुए थे। निरुपम ने कहा कि पार्टी उन्हें जो भी आदेश देगी, वह उसका पालन करेंगे। बता दें कि संजय निरुपम उत्तर-पश्चिम मुंबई निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन शिवसेना ने यहां से अपने विधायक रवींद्र वायकर को प्रत्याशी बनाया है। वायकर का मुकाबला शिवसेना (उद्धव गुट) के अमोल कीर्तिकर से है।

'रोहित वेमुला दलित नहीं था, असली जाति उजागर होने के डर से की थी आत्महत्या'

नई दिल्ली ■

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट रोहित वेमुला के सुसाइड केस में तेलंगाना पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट के मुताबिक रोहित वेमुला दलित नहीं था, उसने अनुसूचित जाति का फर्जी सर्टिफिकेट बनाया था। पुलिस ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में हैदराबाद यूनीवर्सिटी को भी क्लीन चिट दी है और कहा है कि जांच में ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया जिससे इस बात को साबित किया जा सके कि रोहित बेमुला को आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। वेमुला की मौत की जांच कर रही पुलिस ने स्थानीय अदालत के समक्ष मामले को बंद करने की रिपोर्ट जमा की है जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था और उसने असली पहचान जाहिर होने के डर से आत्महत्या की थी। मामले की जांच कर रही साइबराबाद पुलिस ने अदालत को बताया कि रोहित वेमुला अनुसूचित जाति का नहीं था और उसे इसकी जानकारी थी।

मां ने बनवाया था फर्जी प्रमाणपत्र

वेमुला ने 2016 में आत्महत्या कर ली थी। रिपोर्ट में कहा गया, इसके अलावा मृतक को खुद भी पता था कि वह अनुसूचित जाति का नहीं है और उसकी मां ने उसे एससी का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर दिया था। यह निरंतर भय में से एक हो सकता है क्योंकि इसके उजागर होने के परिणामस्वरूप उनकी शैक्षणिक उपाधि वापस ली जा सकती थी जो उसने वर्षों में अर्जित की थीं और अभियोजन का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता। इसमें कहा गया है, मृतक को कई मुद्दे परेशान कर रहे थे जिसके कारण वह आत्महत्या कर सकता था।

उत्तराखंड में बेकाबू हो रही आग 24 घंटे में 64 जगह धधके जंगल

देहरादून/हल्द्वानी ■

उत्तराखंड में शुक्रवार को जंगलों की आग और भड़क गई। 24 घंटे के भीतर वनाग्नि की 64 घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, सोमेश्वर के स्यूनराकोट के जंगल में लगी आग दो नेपाली परिवारों पर भारी पड़ी है। जंगल की आग की चपेट में आने से एक श्रमिक की बृहस्पतिवार को मौके पर ही मौत हो गई थी।

दूसरे श्रमिक ने बृहस्पतिवार देर रात बेस अस्पताल में तो महिला श्रमिक ने हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में दम तोड़ दिया है। एक और महिला श्रमिक का हल्द्वानी में इलाज चल रहा है। अब शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वनाग्नि रोकथाम को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। शुक्रवार को प्रदेश में सामने आई वनाग्नि की 64 घटनाओं में गढ़वाल में 30, कुमाऊं में 29 और वन्यजीव क्षेत्रों में पांच घटनाएं शामिल हैं। 24 घंटे के भीतर 74.67 हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आया। अब तक प्रदेश में 868 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें गढ़वाल में 344, कुमाऊं में 456 और वन्यजीव क्षेत्रों में 68 घटनाएं शामिल हैं।

व्यंग्य : गांधी परिवार : कोई दोष ना दे और तीनों संसद में.. ?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

गांधी परिवार के तीनों सदस्य संसद में पहुंच जाएं, ऐसा ही चाणक्य गेम कांग्रेस ने प्लान किया है, लेकिन क्या सफलता मिलेगी इस बारे में परिणाम आने पर ही स्थिति स्पष्ट होगी..? कांग्रेस ने गहन चिंतन के साथ प्लानिंग बेहतर की है ताकि कोई दोष भी ना दे और साख भी बची रहे.तो क्या है वह चाणक्य गेम प्लान समझते हैं..?

मोदी को नहीं आरोपों का मौका :और रंग भी चौखा..!

कांग्रेस ने गहन चिंतन के बाद रायबरेली से राहुल गांधी व अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारकर सस्पेंस तो खत्म कर दिया है, लेकिन यह खेल बहुत सूझबूझ के साथ खेला गया है. इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि दूसरी बार अमेठी से हार होती तो राहुल गांधी की छवि बेहद खराब हो जाती. अब किशोरी लाल शर्मा के हारने पर वह टेंशन नहीं रहेगी.प्रधानमंत्री मोदी हर भाषण में कांग्रेस पर परिवारवाद के आरोप लगाते रहे हैं तो अन्य को उम्मीदवार बनाकर उसका भी जवाब देने की कोशिश कीगई है. अब सवाल तीनों संसद में कैसे पहुंचे तो उसका गणित यह है कि राहुल यदि माँ सोनिया गांधी जो यहां से 5 बार सांसद रहीं तो उनके आशीर्वाद से जीत भी जाते हैं और वायनाड से भी जीत गए तो उसे छोड़कर प्रियंका को वहां से लड़ा देंगे या प्रियंका के लिए रायबरेली छोड़ देंगे, यदि वायनाड में हार गए तो भी प्रियंका के लिए वो सीट सुरक्षित मानी जाएगी

जहां से कोई भी कांग्रेस प्रत्याशी सर्वाधिक वोटों से जीतेगा, क्योंकि निर्णय तो परिवार को ही लेना है.क्या समझें, है ना वाकई में तगड़ा गेम प्लान..?अब कौन जीतेगा, कौन हारेगा का विश्लेषण यह है कि बीजेपी ने रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है जो वर्षों गांधी परिवार से जुड़े रहे और सोनिया गांधी के करीबी रहे हैं एवं रायबरेली के चप्पे चप्पे से वाकिफ हैं और लगातार काम भी कर रहे हैं, हालांकि पिछली बार सोनिया गांधी से हार भी गए थे फिर भी बीजेपी ने सोच समझ कर दांव खेला है. ऐसे में राहुल गांधी के लिए चुनौती तो रहेगी ही. इधर किशोरी लाल शर्मा भी सालों से कांग्रेस के भरोसेमंद तो हैं लेकिन अमेठी के सामाजिक समीकरणों की बात करें तो यहां ब्राह्मण आबादी सिर्फ 8 फीसदी ही है ऐसे में इनका स्मृति ईरानी से जीतना कठिन हो सकता है, क्योंकि सबसे अधिक आबादी ओबीसी वर्ग की है. अमेठी लोकसभा क्षेत्र में करीब 34 फीसदी ओबीसी वर्ग के मतदाता हैं. मुस्लिम वर्ग के 20, दलित वर्ग के मतदाताओं की तादाद करीब 26 फीसदी है. अनुमानों के मुताबिक यहां करीब 12 फीसदी राजपूत मतदाता होने के अनुमान हैं. 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरे थे और इस गठबंधन ने अमेठी सीट से उम्मीदवार नहीं उतारा था. इस बार बसपा के चुनाव में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है.खैर 4 जून को जनता ही फैसला कर देगी कि रायबरेली, अमेठी एवं वायनाड में क्या होगा अंजाम..?

वानखेड़े में मिचेल स्टार्क ने बरपा दिया कहर, 145 पर ही ढेर हुई मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली ■

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 51वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल के इतिहास की अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मिचेल स्टार्क की धारदार गेंदबाजी के दम पर कोलकाता ने मुंबई इंडियंस को 24 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेंकटेश अय्यर के 70 रनों की पारी की बदौलत 169 रन बनाने में सफल रही। 170 रनों के जवाब में मुंबई इंडियंस पूरे 20 ओवर भी नहीं टिक पाई और 145 के स्कोर पर ढेर हो गई। स्टार्क ने 4 विकेट झटके तो वरुण चक्रवर्ती, आंद्रे रसेल और सुनील नरेन ने 2-2 विकेट चटकाए। इससे पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और नुवान तुशारा ने फिल साल्ट को पहले ही ओवर में पवेलियन भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

मतदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए दिव्यांगों ने निकाली अनूठी तिपहिया वाहनों की रैली

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लोकसभा निर्वाचन 2024 में इंदौर जिले को मतदान में भी अव्वल बनाने के लिए शहर के दिव्यांगजन भी मतदान करने के प्रति जागरूकता फैला रहे है। इसके लिए आज बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों ने तिपहिया वाहनों (रेट्रोफिटिंग स्कूटी) के साथ एक आकर्षक रैली निकालते हुये मतदान का संदेश दिया। इनमें सभी आयु वर्ग के दिव्यांगजन शामिल हुए। स्मार्ट सिटी के सीईओ एवं इंदौर शहर के स्वीप गतिविधियों के प्रभारी श्री दिव्यांक सिंह ने रैली को हरी झण्डी दिखाई। नेहरू पार्क से प्रारंभ होकर यशवंत क्लब पर रैली का समापन हुआ। रैली में शामिल सभी प्रतिभागी मतदान के प्रति स्वयं भी काफी उत्साहित थे। उन्होंने मतदान से जुडे.संदेशों की तख्तियों को प्रदर्शित करते हुये पूरे उत्साह और जोश के साथ शहर के सभी नागरिकों से मतदान दिवस 13 मई को अपने मताधिकार का उपयोग करने का प्रभावी संदेश दिया। श्री दिव्यांक सिंह ने दिव्यांगजनों से चर्चा कर उनका उत्साह बढाया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सुचित्रा तिर्की सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चेकअप के दौरान मरीज ने महिला डॉक्टर को बुरी नीयत से छुआ, मामला दर्ज

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में महिला डॉक्टर को चेकअप के दौरान बुरी नीयत से छूने का मामला सामने आया है। महिला डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी मरीज पर मामला दर्ज कर लिया है। डॉक्टर का कहना था कि आरोपी लंबे समय से उसे बुरी नजर से देख भी रहा था। पुलिस के मुताबिक घटना सांवेर रोड़ स्थित अरविंदो अस्पताल की है। जहां कार्यरत 25 वर्षीय डॉक्टर ने दीपक शाक्य निवासी गांधी नगर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। बताया गया कि डॉक्टर पांचवी मंजिल पर राउंड पर थी। इस दौरान वह आईसीयू में मरीजों को देखने गई थी। आईसीयू में लिवर एब्सेस के मरीज दीपक शाक्य को भी भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने जैसे ही दीपक से उसकी परेशानी के बारे में पूछा उसने बुरी नीयत से डॉक्टर को टच किया। जिसके बाद डॉक्टर ने उसके खिलाफ शिकायत की और केस दर्ज करवाया।

इंदौर में मतदान दलों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ प्रारंभ, पहले दिन ढाई हजार मतदान कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिए 13 मई को होने वाले मतदान के लिए व्यापक तैयारियां जारी है। 13 मई को होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। मतदान दलों में नियुक्त किये जाने वाले मतदान कर्मियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से प्रारंभ हो गया है। आगामी 9 मई तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 14 हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। पहले दिन आज ढाई हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम होल्कर साइंस कॉलेज के 38 कमरों में एक साथ दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक एक, दो एवं मतदान अधिकारी क्रमांक तीन को एक साथ प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक डॉ. आर. के. पाण्डे के निर्देशन में 80 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया जा रहा है। आज से होल्कर साइंस कॉलेज में डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान प्रक्रिया भी प्रारंभ हुई। आगामी 8 मई तक डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान कर्मी, पुलिस और निर्वाचन डियूटी में नियुक्त कर्मी मतदान करेंगे। मतदान के लिए जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग कक्ष बनाये गये है। प्रशिक्षण के दौरान आज मतदान कर्मियों को सुव्यवस्थित रूप से मतदान कराने की प्रक्रिया बताई गई। साथ ही उन्हें उनके अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई।

मतदाताओं को जागरूक करने के प्रयास जोर पर

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु मतदान दिवस 13 मई को अधिक से अधिक नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग करे इसके लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन का नियमित रूप से किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिये मतदान का संदेश दिया जा रहा है। बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप (इअग्रु) दल के सदस्य घर-घर जा कर मतदान का महत्व समझा रहे हैं और पीले चांवल दे कर मत देने का निमन्त्रण दे रहे हैं। इंदौर जिले को मतदान में नम्बर वन बनाने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र से रैली निकाल कर भी मतदान करने का संदेश दिया जा रहा है। रैली के समापन पर मतदान करने की शपथ लेने व मतदान करने का संकल्प पत्र भरने में भी लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। मतदाताओं को मतदान करने के लिए मतदाता पर्ची के अलावा पहचान के लिए अन्य आवश्यक वैकल्पिक दस्तावेजों की जानकारी दी जा रही है। मतदाताओं को मतदान करने के लिए मतदाता पर्ची के साथ पहचान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित किये गये वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक पहचान पत्र साथ रखना होगा। इसी कड़ी में देपालपुर जनपद परिसर में आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप (इअग्रु) दल के अन्य सदस्यों द्वारा मानव आकृति बना कर अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। ग्राम दुधिया में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा खेल के माध्यम से मतदान जागरूकता गतिविधियों को रोचक बनाया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी के बंगले पर प्रदर्शन, भाजपा नेत्रियों ने पोस्टर फाड़े

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पूर्व प्रदेश मंत्री इमरती देवी को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा दिए आपत्तिजनक बयान को लेकर राजनीतिक गरमा गई है। भाजपा ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए पटवारी के बिजलपुर स्थित निवास पर प्रदर्शन करने पहुंची। उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बेरिकेड लगाए थे,लेकिन उन्हें हटाते हुए महिला कार्यकर्ता बंगले के सामने पहुंच गई और खूब नारेबाजी की। वे अपने साथ चूड़ियां भी लाई थी। उन्हें भी बंगले के सामने फेंके।

भाजपा महिला मोर्चा की नेत्रियां और कार्यकर्ता दोपहर में पटवारी के बिजलपुर पर एकत्र होने लगी। पुलिस को प्रदर्शन की जानकारी लगी तो उन्होंने रास्ते पर बेरिकेड लगा दिए और महिला पुलिस भी वहां तैनात कर दी गई, लेकिन महिला नेत्रियां नारेबाजी करते हुए बेरिकेड हटाकर बंगले की तरफ बढ़ने लगी। इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने दूसरे बेरिकेडों को अड़ाकर महिला नेत्रियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिस नाकाम रही और महिलाएं बेरिकेड हटाकर पटवारी के बंगले तक जा पहुंची। नारेबाजी करने के साथ कुछ महिला नेत्रियों ने चुड़ियां भी निवास के सामने फेंकी और पटवारी के पोस्टर्स भी फाड़े।प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि भाजपा महिला नेत्रियों ने बंगले पर पोस्टर फाड़े और उस पर जूते चप्पल बरसाए। पोस्टर में भगवान राम और हनुमान के चित्र भी थे। उन्होंने भगवान का अपमान किया। उधर भाजपा की राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार ने पटवारी के बयान पर पत्रकारवार्ता ली और कहा कि पटवारी ने एक दलित महिला के बारे में अशोभनीय टिप्पणी की। उनका यह बयान कांग्रेस का चरित्र दशार्ता है। पटवारी की महिलावर्ग के प्रति क्या सोच है। यह उनके बयान से पता चल गया। लोकसभा चुनाव में महिला वर्ग कांग्रेस को इस बात के लिए सबक सिखाएगी।

बेटा कर रहा था ऐसी डिमांड की मां-पापा ने मार डाला, हैरान कर देने वाला मामला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में एक युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। माता-पिता ने अपने बेटे के कत्ल का जुर्म भी कबूल कर लिया है। पुलिस को घटनास्थल से एक बोरा मिला था और इसी के जरिए पुलिस ने युवक की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया। बेटे के कत्ल के आरोप में पकड़े गए माता-पिता ने बेटे की जान लेने की जो वजह पुलिस को बताई है उसे जानकर हर कोई हैरान है। वजह शर्मसार कर देने वाली है और विकृत मानसिकता से भरी हुई है।

माता-पिता ने बेटे को मार डाला

इंदौर के एरोड्रम थाना इलाके में पुलिस को एक युवक का शव आईडीए मल्टी के पास मैदान में बोरे में मिला था। जिस बोरे में युवक का शव था उसी बोरे से मिले सुराग ने कुछ घंटों के अंदर ही युवक के कातिलों तक पहुंचा दिया। युवक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने दुर्गा नगर में रहने वाले एक दंपत्ति को पकड़कर पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि मृतक उनका ही बेटा था और उन्हीं ने बेटे को मारा है। आरोपी पिता ने बताया कि बेटा मयार्दा की सभी सीमाओं को लांघकर अपनी मां के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था। इसलिए उसने बेटे को मार डाला। पिता ने बताया कि बेटे को मौत के घाट उतारने के बाद उसने बेटे के शव को एक बोरे में भरा और फिर ठेले पर रखकर मैदान में ले जाकर फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

स्कूटी सवार महिला को रौंदकर फरार हुई कार, विचलित कर देगी घटना

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश की आर्थिक नगरी इंदौर में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी ताजा बानगी देखने को मिली शहर के कनाडिया थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले संचार नगर में, जहां एक बेलगाम दौड़ती कार के चालक ने स्कूटी चालक महिला को रौंद दिया। हालांकि, ये घटना 1 मई की बताई जा रही है, लेकिन अब इस मामले में घटना का रौंगटे खड़े कर देने वाला सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।

ये दर्दनाक सड़क दुर्घटना मौके के नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सामने आए वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि मोड़ पर एक अनकंट्रोल कार दूसरी तरफ से आ रही स्कूटी सवार महिला से टकराई। बावजूद इसके कार चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और कार मोड़ने के बजाए महिला को टक्कर मारते हुए सीधे सामने खड़ी कार में जा टकराई। चालक ने कार महिला पर चढ़ा दी थी। फिर गाड़ी रोकने के बजाए रिवर्स लेकर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन वो तेजी से कार दौड़ाते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास मौजूद दौड़कर हादसे का शिकार महिला के पास पहुंचे, लेकिन उसकी हालत काफी गंभीर थी। आन फानन में महिला को अस्पताल भर्ती करा दिया गया है, जहां अब भी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इधर, पुलिस ने पूरे मामले में महिला के बयान के आदार पर केस दर्ज कर लिया है। अब सामने आए इसी सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस आरोपी कार चालक को ढूंढ रही है।

निर्वाचन आयोग ने नजदीकी रिटायरमेंट वालो को ड्यूटी में दी छूट

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने ऐसे कर्मचारियों और अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी से मुक्त रखने के निर्देश दिए हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति के छह माह शेष हैं। इस आदेश के साथ बड़ी संख्या में जिला निर्वाचन कार्यालय के पास चुनाव ड्यूटी से मुक्त रखने के आवेदन पहुंच रहे हैं। इनमें दिसंबर तक सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी और अधिकारियों के आवेदन भी आ रहे हैं, जबकि आचार संहिता लागू की तारीख से छह माह की गणना की जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय के पास 125 आवेदन सेवानिवृत्ति वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के पहुंचे हैं। सभी में चुनाव ड्यूटी से छूट मांगी गई है। इनमें दो दर्जन के करीब आवेदन नवंबर और दिसंबर में सेवानिवृत्त होने वालों के हैं। इनको चुनाव कार्य से मुक्त नहीं किया जाएगा।

मैंने तुमसे प्यार किया पर तुमने औकात दिखा दी, लिखकर लड़की ने दे दी जान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश की आर्थिक नगरी इंदौर में एक लड़की ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले घर वाले उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि लड़की ने आत्महत्या करने से पहले बाकायदा अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखी। इसके बाद उसने जहरीला पदार्थ पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इधर, घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस की शुरूआती तफ्तीश के अनुसार, मामला प्रेम प्रसंग का है। इसमें हैरानी की बात ये है कि मरने से पहले लड़की ने सोशल मीडिया के जरिए प्रेमी को नहीं, बल्कि, उसकी मां को दोषी ठहराती नजर आ रही है। इंस्टाग्राम पर लिखे आखिरी पोस्ट में लड़की ने ये बात जरूर लिखी है कि प्रेमी के लिए यह जरूर लिखा है कि मैंने तुमसे प्यार किया पर तुमने औकात दिखा दी। लड़की के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि, एमआईजी पुलिस को 2 मई की रात अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक लड़की ने जहर पी लिया है और उसकी हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इलाज के दौरान पुलिस ने लड़की से पूछने का काफी प्रयास किया, लेकिन वो स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पाई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

समाजसेवी हर्षल ने आश्रम के बच्चो के साथ अपना जन्मदिन मनाया

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर शहर की सामाजिक संस्था त्रिनेत्रम सामाजिक संगठन के हर्षल चौहान ने अपने जन्मदिवस पर इंदौर के सबसे प्रतिष्ठित मालवामील चौराहे पर पक्षियों के दाना पानी के लिए 101 सकोरो का वितरण राहगीरों और जरूरतमंद लोगो को किया गया। और इसके साथ ही कालानी नगर स्थित नमो नवकार बाल आश्रम में बच्चो को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए ठंडी छाछ, बिस्किट्स और टाफी वितरित कर अपना जन्मदिन मनाया। सभी बच्चो ने खूब आनंद किया।और जन्मदिन की बधाइयां दी। जिसमे मुख्य रूप से संस्था के हर्षल चौहान, सुनिल ठाकुर, हर्षद पटेल, गोपाल महेंद्र सिंह परिहार, राहुल शेखावत, सागर देवांग, संजू मीणा, प्रदीप नायक, उपस्थिति हुए। विशेष सहयोग समाजसेवी कुं. विनोद सिंह ठाकुर का रहा।

साठ हजार मतदाताओं के लिये निःशुल्क नाश्ते का इंतजाम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इन्दौर संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से साठ चुनिंदा मतदान केन्द्रों पर साठ हजार मतदाताओं के लिये निःशुल्क नाश्ते की व्यवस्था की जाएगी। यह जानकारी कृष्णा समाजसेवा संस्थान की अध्यक्ष अरूणा द्विवेदी,नागरथ चेरिटेबल ट्रस्ट के मेम्बर माधवेन्द्र तिवारी एवं दंगल टीवी के प्रबंध निदेशक मनीष सिंघल ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा आयोजित समारोह में दी।

उन्होंने बताया कि मतदाता प्रोत्साहन के उद्देश्य से 13 मई को आठों विधानसभा के साठ मतदान केन्द्रों पर एक- एक हजार मतदाताओं के लिये नाश्ते का बंदोबस्त किया जा रहा है। नाश्ते में सेंव-मिक्चर, चिप्स, बिस्किट, फ्रुटी, जिरू एवं पानी दिया जायेगा। इस मौके पर दंगल टीवी के मतदाता जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रथ के माध्यम से आठों विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के लिये आसान प्रश्नोत्तर की गतिविधि भी संचालित की जायेगी जिसमें सही उत्तर बताने वालों को ट्राफी दी जायेगी। कार्यक्रम मे दंगल टीवी के प्रियंका खण्डेलवाल, मनीष दीक्षित,शाकिर खान,स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल, सरंक्षक रचना जौहरी, रोहन झांझरिया, उप संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. माधव हसानी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्वागत मीना राणा शाह गौरव जैन और संतोष रुपिता ने किया। अंत में प्रवीण धनोतिया ने आभार व्यक्त किया।

11 मई को लोक अदालत, बिजली कंपनी 50 हजार नोटिस करेगी जारी

इंदौर। वर्ष 2024 की दूसरी लोक अदालत 11 मई को आयोजित होनी है। इसकी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तैयारी की जा रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के शेड्यूल के अनुसार आगामी लोक अदालतें 11 मई, 14 सितंबर, 14 दिसंबर को आयोजित होनी है। इन अदालतों में बिजली के विजिलेंस संबंधित और संचारण संधारण चेकिंग दल द्वारा बनाए गए प्रकरणों को समाधान के लिए रखा जाएगा। इसके लिए कंपनी लगभग 50 हजार नोटिस जारी करेगी। लोक अदालत में निराकृत होने वाले प्रकरणों में ब्याज व पेनाल्टी में छूट भी दी जाएगी।

प्याले में जो होगा, वही छलकेगा...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों मेरा मानना है कि आपकी प्रतिक्रियाएँ आपके जीवन मूल्य, आपके संस्कार, आपकी शिक्षा और आपके लालन-पालन का प्रतिबिंब होती है। सुनने में आपको मेरी बात थोड़ी अटपटी लग सकती है, लेकिन मेरा जीवन अनुभव तो यही कहता है। वैसे भी कहा जाता है कि 'प्याले में जो होगा, वही छलकेगा।' ठीक इसी आधार पर इंसान के अंदर जो होगा, वह वैसी ही प्रतिक्रिया देगा। इसीलिए दोस्तों मैं हमेशा कहता हूँ कि 7 वर्ष की उम्र तक के बच्चों को किताबी शिक्षा के स्थान पर संस्कार और जीवन मूल्य सिखाने पर ध्यान देना चाहिए। अपनी बात को मैं आपको खेल के मैदान पर घटी एक घटना के माध्यम से समझाने का प्रयत्न करता हूँ।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

बात कुछ वर्ष पूर्व की है, दौड़ की एक प्रतियोगिता में केन्या के सुप्रसिद्ध धावक अबेल मुताई भाग ले रहे थे। चूँकि वे इस दौड़ प्रतियोगिता में अन्य सभी प्रतियोगियों से काफ़ी आगे चल रहे थे, इसलिए उनकी जीत पक्की मानी जा रही थी। अंतिम राउंड दौड़ते वक़्त अबेल मुताई, इस दौड़ को जीतकर, स्वर्ण पदक जीतने ही वाले थे कि कुछ ग़लतफ़हमी के कारण अंतिम रेखा से एक मीटर पूर्व ही रुक गए। उनके पीछे स्पेन के इव्हान फ़र्नांडिस दौड़ रहे थे। वे अबेल मुताई के द्वारा की गई चूक को दूर से ही भाँप गये और जोड़-ज़ोर से चिल्ला कर अबेल को दौड़ पूरी करने के लिए कहने लगे। लेकिन स्पेनिश भाषा नहीं समझने के कारण अबेल अपनी जगह से हिले ही नहीं। कुछ पलों में अबेल के पास पहुँचने पर इव्हान ने अबेल को पीछे से जोड़ का धक्का दिया और अंतिम रेखा के पार पहुँचा दिया। इस धक्के ने अबेल को इस दौड़ का स्वर्ण पदक विजेता और इव्हान को चाँदी के पदक याने दौड़ का उपविजेता बना दिया। प्रतियोगिता के बाद पत्रकारों ने इव्हान से पूछा, 'तुम्हारे पास स्वर्ण पदक विजेता बनने का मौक़ा था। तुमने उसे क्यों गँवा दिया?' इव्हान ने मुस्कुराते हुए कहा बचपन से मैंने एक ऐसा समाज या मानवजाति बनाने का सपना देखा है जो एक दूसरे की मदद करते हुए आगे बढ़े, उनकी भूलों का फ़ायदा उठाकर नहीं और हाँ यह याद रखियेगा कि मैंने प्रथम स्थान गँवाया नहीं है...' इव्हान के जवाब से पत्रकार दुविधा में पड़ गया और बोला, 'लेकिन तुम्हारे धक्के से ही तो केन्यन धावक अबेल प्रथम आया है?' इव्हान मुस्कुराता हुआ बोला, 'नहीं! आज का दिन; आज की प्रतियोगिता उसी की थी। वही प्रथम स्थान का हक़दार था।' पत्रकार ने एक बार फिर अपनी कही बात पर ज़ोर डालते हुए दोहराया, 'लेकिन तुम आज स्पष्ट तौर पर स्वर्ण पदक जीत सकते थे?' इव्हान उसी मुस्कुराहट के साथ बोला, 'उस जीत का क्या अर्थ होता? क्या मुझे, मेरी जीत को या मेरे पदक को सम्मान मिलता? क्या मैं अपनी माँ से आँख मिला पाता? शायद बिलकुल भी नहीं। मेरे लिये जीत से ज़्यादा अपने आत्मसम्मान और संस्कारों को और समाज के लिए देखे गये सपने को बचाना ज़रूरी था। मेरे लिये यह भी महत्वपूर्ण था कि इस जीत के विषय में मेरी माँ मुझसे क्या कहती।'इतना कहकर इव्हान कुछ पलों के लिए चुप हुए फिर पूर्ण गंभीरता के साथ बोले, 'याद रखियेगा, संस्कार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी, दूसरी से तीसरी और तीसरी से चौथी पीढ़ी तक आगे जाते रहते हैं। अर्थात् आज की पीढ़ी आने वाली पीढ़ी का निर्माण करती है। अगर मैं दूसरे की गलती का लाभ उठा कर जीत गया होता, तो सोचो मैंने अगली पीढ़ी को क्या दिया होता? दूसरों की दुर्बलता या अज्ञान का फायदा न उठाते हुए उनको मदद करने की सीख मेरी मां ने मुझे दी है और मैं उसी का पालन करते हुए अपने जीवन में आगे बढ़ रहा हूँ।' बात ही नहीं दोस्तों, इव्हान का व्यवहार हमें जीवन का एक महत्वपूर्ण सूत्र सिखाता है, 'किसी की दुर्बलता, कमजोरी या गलती का फ़ायदा उठाकर विजेता बनने से बेहतर, खुद की पात्रता बढ़ाना है और इसके लिए हमें इव्हान की माँ की ही तरह बचपन में ही बच्चों को सही बात सिखाना होगी यानी सही संस्कार देना होंगे।

अक्षय बम के बाद कौन होगा उम्मीदवार ! हाईकोर्ट में चल रही कांग्रेस की कवायद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम की नाम वापसी के बाद कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार के लिए अब हाईकोर्ट में लड़ाई जारी है। कांग्रेस के डमी उम्मीदवार मोती सिंह पटेल ने एकलपीठ के निर्णय को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में युगलपीठ के समक्ष रिट अपील दायर की है। याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। बताया जा रहा है कि कोर्ट कभी भी अपना फैसला सुना सकती है।

इंदौर में लोकसभा चुनाव में इंदौर संसदीय सीट से अपने प्रत्याशी अक्षय बम के नाम वापस लेने के बाद कांग्रेस शुक्रवार को फिर हाईकोर्ट पहुंची है। इस बार कांग्रेस ने मामले में सिंगल बेंच के निर्णय को चुनौती दी है। इसपर हाईकोर्ट की युगलपीठ ने प्रकरण में सुनवाई की। कांग्रेस के वैकल्पिक प्रत्याशी मोती सिंह पटेल ने शुक्रवार को फिर कोर्ट की शरण ली। मोतीसिंह पटेल ने हाईकोर्ट में युगलपीठ के समक्ष याचिका दायर करते हुए एकलपीठ के निर्णय को चुनौती दी। इस मामले में हाईकोर्ट ने करीब सवा घंटे तक सुनवाई की। मोतीसिंह पटेल की ओर से उनके अधिवक्ता वभिोर खंडेलवाल ने अपने तर्क प्रस्तुत किए। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है। कांग्रेस प्रत्याशी की नाम वापसी के खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई और उसके फैसले पर सभी की नजरें हैं। इससे पहले इंदौर हाईकोर्ट की एकल पीठ कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार मोतीसिंह पटेल की याचिका खारिज कर चुकी है। मामले में शुक्रवार को एक साथ 3 सुनवाई की गई। याचिकाकर्ता पटेल के साथ ही चुनाव आयोग ने भी अपना पक्ष रखा। बता दें कि कांग्रेस के बी फॉर्म में आधिकारिक उम्मीदवार अक्षय कांति बम के साथ मोतीसिंह पटेल का वैकल्पिक उम्मीदवार के रूप में नाम दिया गया था। जांच के दौरान मोतीसिंह पटेल का नामांकन खारिज कर दिया गया। अक्षय बम ने नाम वापसी के अंतिम दिन अपना नामांकन वापस ले लिया था। इसके बाद मोतीसिंह पटेल ने उम्मीदवारी प्रस्तुत की है।

इंदौर में ट्रांसपोर्ट संचालक ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्ट संचालक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक महेंद्र पुत्र विलास निवासी जनता क्वार्टर ने फांसी लगाई है। उसका जय मल्हार ट्रांसपोर्ट था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आध्यात्मिक साधना का अभ्यास ...

इस पाँच भौतिक जगत में बहुत सम्भावनाएं हैं। अब मनुष्य के लिए उसके गति की प्रक्रिया किस तरह होनी चाहिए! पहले देख जाय, जड़ क्या है? जड़ है शक्ति घनीभूत रुप। और मन क्या है ? जड़ तत्व के चूणीर्भूत होने से मन की उत्पत्ति होती है।

मान लो, तुमको बहुत कष्टकर शारीरिक श्रम करना पड़ता है। स्वाभाविक रुप से इसमें एक समय थक जाओगे। परन्तु यदि तुम कोई शारीरिक श्रम नहीं किये हो, और दस घंटा लगातार बौध्दिक श्रम कर रहे हो, इसमें भी तुम थक जाओगे। इस अवस्था में तुम शरीर और मन दोनों में ही थकावट महसूस करोगे। क्या यह सही नहीं है ? इसलिए मनुष्य का शरीर केवल जड़ देह नहीं है, एक ही साथ यह मानसिक देह और आध्यात्मिक देह भी है। परन्तु आध्यात्मिक देह बोलकर कोई अस्तित्व नहीं हो सकता है। मनुष्य को है पाँचभौतिक शरीर और है एक मानसिक देह, जिसमें विभिन्न स्तर हैं। परन्तु आध्यात्मिक क्षेत्र में कोई देह रह नहीं सकता। आध्यात्मिकता है साक्षीतत्व, जो देहयुक्त कोई सत्ता तो नहीं हो सकती। परन्तु यह साक्षीतत्व शरीर से सम्बन्धित है। तुम्हारा शरीर जो कुछ कर रहा है, तुम्हारी आत्मा उसके साथ सम्बन्धित है, और जान रहे है, साक्षी रुप में देख रहे हैं कि वह क्या कर रहा है। इसी प्रकार तुम्हारी आत्मा तुम्हारे मानस देह का भी साक्षी तत्व है, जो देख रहा हैं कि तुम्हारा मन क्या कर रहा है, अतः ये हुए साक्षी सत्ता। यह कोई देह नहीं है। जब यह साक्षी तत्व किसी व्यष्टि के साथ सम्पर्कित हो जाते हैं, तो हम उसे कहते हैं, अणु साक्षीतत्व अथवा जीवात्मा। और जब वह इस विश्व के सब अस्तित्वों के ज्ञाता हो जाते हैं, तब वे परमचैतन्य सत्ता हो जाते हैं। अब आध्यात्मिक साधना क्या है ? आध्यात्कि साधना अणु विषय को भूमाविषय में रुपान्तरित करना है। इसे और स्पष्ट किया जाय। मान लो, कोई एक अणु अस्तित्व है, यह अणु अस्तित्व एक सीमा रेखा के बन्धन में आबद्ध है और सीमा रेखा का मतलब हीं है - तमोगुण का बन्धन। जो कुछ भी सीमारेखा में बद्ध है, वह सत्वगुण, रजोगुण और तमोगुण-मूल त्रिगुण तत्वों के दायरे में आ जाते हैं। जब मन का विषय सीमित है, क्षुद्र है, उस क्षेत्र में विषयी अर्थात विषयीपक्ष है अणुचैतन्य। जब कोई क्रिया सम्पादित होती है, उसमें दो सत्ता रहती है - विषय और विषयी। दृष्टवस्तु है विषय, और द्रष्टा है विषयी और इन दोनों के बीच दर्शन रुप क्रिया है जो विषयी और विषय में योगसूत्र स्थापित करती है। तो तीन सत्ताएँ हुई। अब जहाँ विषय सीमित है, क्षुद्र है, तब विषयी है जीव अर्थात अणुचैतन्य, यह एक साधारण अस्तित्व है। परन्तु जब विषय असीमित तथा अनन्त है, तब विषयी अवश्य ही होंगे भूमा। उस अवस्था में विषयी सीमायित नहीं रहेंगे। साधना तथा साधनामूलक अनुशीलन क्षुद्र विषय को अनन्त विषय में परिणत करना है। जब तुम सोचते हो, यह विशाल महाविश्व मेरा है, तुम हुए परमपुरुष। जब तक यह अणु देह तुम्हारा है, इस देह के और अणुमन के सब गोपन बातें तुम जान लेते हो, परन्तु यह महाविश्व जब तुम्हारा विषय हो जाता है, तब तुम इस विश्व ब्रह्माण्ड के सब रहस्य जान जाओगे। यह हुआ दोनों में अन्तर और तुम्हारी आध्यात्मिक साधना क्षुद्र को वृहद् में परिवर्तित करने का अभ्यास है। जब कोई शान्ति पाना चाहता है, तो उसे क्या करना होगा? उसे क्षुद्र विषय को अनन्त विषय में रुपान्तरित करना पड़ेगा। शान्ति पाने का यहीं एकमात्र रास्ता है, द्वितीय कोई उपाय नहीं है। प्रत्येक साधक को इसे जानना चाहिए और उसे अनन्त में परिवर्तित हो जाना चाहिए।

प्रस्तुतिः आचार्य दिब्यचेतनानन्द

इंदौर के लिए स्वच्छता का खिताब बरकरार रखना चुनौती, बिगड़ी सफाई व्यवस्था

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर लगातार स्वच्छता रैंकिंग में सात बार से नंबर वन है, लेकिन इस बार खिताब को बरकरार रखना चुनौती है। पैसों का संकट, चुनावी आचार संहिता और अनुभवनहीन अधिकारियों के कारण इंदौर की सफाई व्यवस्था बिगड़ गई है। उसे पटरी पर लाना काफी नए निगमायुक्त के लिए मुश्किल होगा। शहर में प्रमुख सड़कों की सफाई तो हो रही है, लेकिन तंग गलियों, बैकलेन और नालों में गंदगी नजर आने लगी है।

लोगों में भी जागरुकता की कमी आई है। इस बार भी हमारी टक्कर स्वच्छता में सूरत से होगी, क्योकि पिछली बार इंदौर और सूरत को संयुक्त रुप से पुरस्कार मिला था। इसके बाद सूरत ने थ्रीआर सिस्टम को और मजबूत किया है। कचरे से खाद व ऊर्जा उत्पादन में भी सूरत बेहतर काम कर रहा है,जबकि हमारे इंदौर में गोबधन प्लांट से पर्याप्त सीएनजी गैस ही नहीं बन पा रही है।

वाटर प्लस की सेवन स्टार रेटिंग अब नहीं आसान

दो साल पहले शहर के नालों को साफ करने में काफी प्रयास हुए। इसका फायदा दो साल तक नंबर बन बनाने में मिला, लेकिन नाले फिर गंदा पानी उगल रहे है। उनमें कचरा भी लोग फेंक रहे है। ड्रेनेज लाइन घोटाला भी फिलहाल चर्चा में है। मौके पर काम नहीं हुए और बिल मंजूर हो गए। इसके चलते इंदौर का नाला टैपिंग प्रोजेक्ट फेल हो गया। इस सार वाटर प्लस में सेवन स्टार रेटिंग भी आसान नहीं है,जबकि इसके नंबर भी रैंकिंग में मायने रखते है।

इन कमियों के कारण इंदौर की सफाई कमजोर

■ नगर निगम का ज्यादातर स्टॉफ निर्वाचन कार्य में जुटा है। मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी नगर निगम को दी गई है। इस कारण शहर की सफाई व्यवस्था की निगरानी नहीं हो रही है।

■ जागरुकता के लिए शहर में मैं हू झोलाधारी, नो थू-थू अभियान और कचरे से खाद बनाने के अभियान चलाए जाते थे, लेकिन इस साल स्वच्छता को लेकर अभियान नजर नहीं आ रहे है।

■ इंदौर की अच्छी सफाई की एक वजह सख्ती भी रहती थी। नगर निगम का अमला स्पॉट फाइन करता था। सड़क पर थूकने वालों के भी इंदौर में चालान बने, लेकिन अब लोग फिर बेकलेन में कचरा फेंकने लगे है। बेकलेन भी नियमित तौर पर साफ नहीं हो रही है।

■ इंदौर में नए निगमायुक्त के रुप में शिवम वर्मा आए है। ज्यादातर अपर आयुक्त भी नए है। उन्हें सफाई की एबीसीडी नए सिरे से समझना पड़ रही है, विधानसभा चुनाव के समय कई अनुभवी अधिकारियों के तबादले हो गए।

रात्रिकालीन सफाई पर फोकस

शहर में रात्रिकालीन सफाई पर हमारा ज्यादा फोकस है। प्रमुख सड़कों को रात को बेहतर तरीके से काम किया जा रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए हमने छापे मारे है। शहरवासियों में जागरुकता के लिए स्वयंसेवी संगठनों की मदद ली जा रही है।

-शिवम वर्मा, निगमायुक्त

फिर इंदौर रहेगा नंबर वन

स्वच्छता में इंदौर को अष्ठसिद्धि प्राप्त होगी। हम सफाई में आठवीं बार पहले स्थान पर आने के लिए पूरी मेहनत कर रहे है, जो कमियां है, उसे दूर करेंगे। आचार संहिता के बाद सफाई पर और ज्यादा फोकस सफाई पर रहेगा। हमारी सबसे बड़ी ताकत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन है। इसके लिए हमने नए वाहन खरीदे है। स्टॉफ भी बढ़ाया है।

-पुष्य मित्र भार्गव, मेयर

नगर निगम में फर्जी बिल की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित, दोषियों पर कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर दोषियों के खिलाफ की गई कठोर कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम में फर्जी बिल की जांच के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने उच्च स्तरीय समिति गठित कर दी गई है। समिति के अध्यक्ष प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर अमित राठौर और सदस्यों के रूप में सचिव वित्त विभाग अजीत कुमार और लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

दरअसल, नगर निगम इंदौर में जल यंत्रालय तथा ड्रेनेज विभाग के 20 फर्जी बिल पकड़े जाने पर पांच फर्मों- मैसर्स जहान्वी इंटरप्राइजेस,

मैसर्स क्षितिज इंटरप्राइजेस, मैसर्स किंग कंस्ट्रक्शन, मैसर्स नीव कंस्ट्रक्शन और मैसर्स ग्रीन कंस्ट्रक्शन के 20 बिल बिना किसी निविदा, अनुबंध और बिना कार्य के फर्जी बनाकर निगम की वित्त शाखा में प्रस्तुत किए गए। इस आधार पर उक्त फर्मों को तीन करोड़ 20 लाख रुपये का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर पांचों फर्मों को ब्लेक लिस्ट कर भुगतान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर आयुक्त नगर निगम इंदौर ने एक जांच समिति गठित की। इन पांच फर्मों में पिछले 10 वर्षों में पाए गए 188 प्रकरणों की जांच समिति कर रही है। समिति की प्राथमिक विवेचना में दोषी पाये गये दो कर्मचारियों भूपेंद्र पुरोहित और सुनील भंवर को कारण बताओ नोटिस जारी कर हाजरी मुक्त कर दिया गया है। पुलिस द्वारा जहान्वी इंटरप्राइजेस के राहुल बडेरा, मैसर्स क्षितिज इंटरप्राइज की रेणु बडेरा, मैसर्स किंग कंस्ट्रक्शन के मो. जाकिर और मैसर्स न्यू कंस्ट्रक्शन के मो. साजिद, लेखा विभाग नगर निगम के पूर्व विनियमित क्लर्क राजकुमार साल्वी, उपयंत्री उदय भदौरिया और कम्प्यूटर आपरेटर चेतन भदौरिया को हिरासत में लिया गया है। इनमें से उक्त नगर निगम में कार्यरत कर्मियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। सहायक यंत्री अभय राठौर को निलंबित किया गया है। इधर, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव के पत्र के आधार पर वित्त विभाग द्वारा नगर निगम में वित्त विभाग के पदस्थ लोकल फंड के समर सिंह परमार, उप संचालक जगदीश ओहरिया और रामेश्वर परमार को शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेस को बोगस वोटिंग बढ़ने का डर, निर्दलीयों के पोलिंग एजेंट नियुक्त करने पर विचार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकसभा क्षेत्र इंदौर से चुनाव के बीच हुए पाला बदल से बदहवास कांग्रेस को अब दूसरा डर भी सताने लगा है। कांग्रेस में घबराहट है कि निर्विरोध निर्वाचन करवाने में असफल रही भाजपा अब बोगस वोटिंग को बढ़ावा दे सकती है। दरअसल भाजपा इन चुनाव की शुरूआत से ही क्षेत्र से आठ लाख की बढ़त का दावा करती रही है। कांग्रेस को डर है कि मैदान खाली होने के बाद मतदान वाले दिन बोगस वोटिंग के जरिए लीड बढ़ाने की कोशिशें हो सकती है।

कांग्रेस के पूर्व घोषित उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने आखिरी समय पर नामांकन फार्म वापस ले लिया था। उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कहकर भाजपा का दामन भी थाम लिया। इसी बीच कांग्रेस के डमी उम्मीदवार मोती सिंह पटेल का नामांकन फार्म भी खारिज हो गया। कांग्रेस मैदान से बाहर हो गई। अब इंदौर के चुनावी रण में कुल 14 उम्मीदवार शेष हैं। इनमें निर्दलीय के साथ बसपा व अन्य कुछ क्षेत्रीय दलों के उम्मीदवार ही मैदान में है। कांग्रेस ने अब तक किसी को समर्थन देने का निर्णय नहीं लिया है। इसकी बजाय कांग्रेस के पदाधिकारी नोटा के समर्थन में प्रचार करते दिख रहे हैं। इस बीच अब कांग्रेस ने शुक्रवार शाम को बैठक बुला ली है। इंदौर शहर व जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ वरिष्ठों को इसके लिए न्योता दिया गया है।

बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदान का सिलसिला होगा आज से प्रारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के तहत 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदान का सिलसिला 4 मई से प्रारंभ होगा। यह सिलसिला 6 मई तक चलेगा। मतदान कराने के लिए 94 दलों का गठन किया गया है।

उक्त कार्य की प्रभारी अधिकारी तथा डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियंका चौरसिया ने बताया कि उक्त मतदान दलो को शासकीय माध्यमिक उच्चतर विद्यालय मोतीतबेला से निर्धारित दिनों में सुबह 7 बजे मतदान सामग्री वितरित की जायेगी। मतदान समाप्ति के पश्चात मतदान दल मतदान सामग्री

और मत पत्र कलेक्टर कार्यालय में स्थित कोषालय के स्ट्रांग रूम में जमा करेंगे। उन्होंने बताया कि इंदौर में 85 वर्ष से अधिक आयु के 2 हजार 391 मतदाताओं तथा 443 दिव्यांग मतदाताओं ने अपने घर से मतदान करने की सहमति दी है।

हत्या के प्रयास में फंसे बीजेपी में गए कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम, अग्रिम जमानत याचिका निरस्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी बनने के बाद नामांकन वापस लेकर चर्चा में आए अक्षय बम को हत्या के प्रयास के मामले में सत्र न्यायालय से अग्रिम जमानत नहीं मिली। सात पेज के आदेश में कोर्ट ने यह जरूर कहा कि प्रकरण के तथ्य देखते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी की आशंका दिखाई नहीं पड़ती, इसलिए अग्रिम जमानत के प्रविधान लागू नहीं किए जा सकते।

17 वर्ष पुराने एक मामले में हाल ही में प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ने अक्षय बम और उनके पिता कांति बम पर हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई

है। खजराना पुलिस ने इस प्रकरण में आरोपितों पर धारा 147, 148, 149, 323, 294 और 336 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। प्रकरण में वर्ष 2014 में चालान भी पेश हो चुका है। 5 अप्रैल 2024 को फरियादी की तरफ से एक आवेदन प्रस्तुत हुआ था। इसमें अक्षय और अन्य पर हत्या की धारा बढ़ाने की मांग की गई थी। इसे स्वीकारते हुए कोर्ट ने धारा बढ़ा दी थी। इसके बाद अक्षय ने वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सिरपुरकर और अजय मिश्रा के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। अभियोजन की तरफ से लोक अभियोजक अभिजीतसिंह राठौर ने पैरवी की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अग्रिम जमानत आवेदन निरस्त कर दिया।

इंदौर में निर्दलीय प्रत्याशी ने वापस ली याचिका

इंदौर लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा कराने वाले धर्मेंद्र सिंह झाला ने शुक्रवार को खुद ही याचिका वापस ले ली। कोर्ट ने उनसे कहा कि वे चाहें तो परिणाम को चुनाव याचिका में चुनौती दे सकते हैं। झाला ने याचिका में कहा था कि मैंने नामांकन वापस नहीं लिया था, लेकिन नाम वापस लेने वालों की सूची में मेरा नाम आ गया। जब मैंने रिटर्निंग अधिकारी से इस बारे में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि मैंने प्रस्तावक के जरिये नाम वापस लिया है, जबकि मैंने किसी को भी नाम वापसी के लिए अधिकृत नहीं किया था। इसी तरह एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी दिलीप ठक्कर की ओर से प्रस्तुत याचिका में कोर्ट ने बहस सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और अंशुमन श्रीवास्तव ने पैरवी की।

इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर बहस पूरी, आदेश सुरक्षित

इंदौरः इंदौर में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली जनहित याचिका में शुक्रवार को बहस पूरी हो गई। कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। आदेश जारी होने के बाद ही तय होगा कि मेट्रो के वर्तमान रूट में कोई बदलाव होगा या नहीं और क्या कोर्ट मेट्रो के कामकाज पर निगरानी के लिए कोई कमेटी गठित करेगी। हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका राजलक्ष्मी फाउंडेशन ने दायर की है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागडिया पैरवी कर रहे हैं। शुक्रवार को युगलपीठ के समक्ष हुई बहस में उन्होंने कहा कि मेट्रो प्रोजेक्ट में कई खामियां हैं। शहर में इस प्रोजेक्ट की जिस क्षेत्र में आवश्यकता है, वहां छोड़कर इसे ऐसे क्षेत्रों से गुजारा जा रहा है, जहां मेट्रो की उपयोगिता ही नहीं है। अब तक लवकुश चौराहा, रेडिसन चौराहा, विजय नगर क्षेत्रों में मेट्रो का काम हुआ है। इन सभी क्षेत्रों में सड़कें चौड़ी हैं। यही वजह है कि इन क्षेत्रों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम करते हुए यातायात की कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई, लेकिन मेट्रो कंपनी ने एमजी रोड क्षेत्र में मेट्रो को जमीन के भीतर से ले जाने की योजना बनाई है। अगर ऐसा होता है तो एमजी रोड को निर्माण के दौरान पूरी तरह से बंद करना होगा। काम पूरा होने में कम से कम दो वर्ष का समय लगने का अनुमान है। इस दौरान शहरवासियों को होने वाली परेशानी से निपटने के लिए कोई वैकल्पिक योजना तैयार नहीं की गई है।

देश में पहली बार इंदौर मेट्रो के प्लेटफार्म पर लगेंगे भारतीय कंपनी के स्क्रीन गेट, मजबूत होगी सुरक्षा

गेट की गुणवत्ता बढ़ेगी और सुरक्षा भी मजबूत रहेगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर यात्री सुरक्षा के लिए स्क्रीन डोर लगाए जाएंगे। सितंबर में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल के पहले गांधी नगर स्टेशन व सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 प्लेटफार्म पर ये स्क्रीन डोर लग जाएंगे। ऐसे में जब प्लेटफार्म पर ट्रेन पहुंचेगी, तब स्क्रीन गेट खुलने पर ही यात्री मेट्रो के अंदर जा सकेंगे। इससे प्लेटफार्म पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

अभी दिल्ली सहित कई शहरों में

मेट्रो प्लेटफार्म व ट्रैक के बीच सुरक्षा के लिए स्क्रीन डोर लगाए जा रहे हैं। अभी तक चीन की कंपनियों द्वारा बनाए गए डोर ही लगाए जा रहे थे। इंदौर के मेट्रो स्टेशन पर लगाए जाने वाले ये सुरक्षा स्क्रीन डोर पर मेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत भारतीय कंपनी द्वारा तैयार किए होंगे। पहली बार देश में इंदौर के मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर भारतीय कंपनी द्वारा तैयार ये सुरक्षा गेट लगाए जाएंगे। इससे इन गेट की गुणवत्ता बढ़ेगी और सुरक्षा भी मजबूत रहेगी। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा इंदौर व भोपाल के मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा स्क्रीन गेट लगाने का जिम्मा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को दिया गया है। कंपनी द्वारा गेट के डिजाइन को तैयार किया जा रहा है। ये कांच वाले स्लाइडिंग गेट होंगे। डिजाइन अप्रूव होते ही इस गेट को तैयार कर मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। फिलहाल इंदौर में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में शामिल प्लेटफार्म पर पटरी के पास हिस्से पर इसके लिए जगह छोड़ी जा रही है।

दिल्ली मेट्रो जैसी दुर्घटनाओं से होगा बचाव

पांच माह पहले दिल्ली मेट्रो में एक महिला की साड़ी फंसने के कारण वो मेट्रो पर घिसटती गई थी और उसकी मौत हो गई थी। ऐसे में मेट्रो प्लेटफार्म पर लगने वाले ये सुरक्षा स्क्रीन गेट यात्रियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। मेट्रो से निकले के बाद जब तक यात्री स्क्रीन गेट से पार होकर प्लेटफार्म पर पूरी तरह नहीं पहुंचेगा, तब तक प्लेटफार्म का स्क्रीन गेट बंद नहीं होगा। इस स्क्रीन गेट के बंद होने के बाद ही मेट्रो प्लेटफार्म से आगे बढ़ेगी। इस तरह मेट्रो में सफर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

विशेषज्ञों ने वैश्विक व्यापार के नियमों के समझाया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) एवं व्यावसायिक विकास समिति के साझा प्रयासों के तहत शुक्रवार को इंदौर जिले में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के तत्वावधान में व्यावसायिक विकास समिति (PDICAI) द्वारा चार्टेड अकाउंटेंट्स के व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त सेमिनार में ज्वाइंट डीजीएफटी श्री सुवीध शाह ने इस विशेष सत्र का परिचय देते हुए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। अपने वक्तव्य में उन्होंने फॉरेन ट्रेड डैवलपमेंट एंड रेग्युलेशन एक्ट 1992 पर विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही वित्त मंत्रालय के डेप्युटी कमिश्नर संतोष साहू ने विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश विशेष आर्थिक क्षेत्र से लगभग 25 प्रतिशत निर्यात होता है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि बहु उत्पाद क्षेत्र में केवल साढ़े 11% निर्यात वृद्धि दर्ज की गई। जबकि आइटी सेक्टर के साथ निर्यात में साढ़े 14% का विकास हुआ है। प्रदेश में निर्यात की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में आइटी सेक्टर ने सबसे अधिक योगदान दिया। क्रिस्टल आईटी पार्क को छोड़कर बाकी चार आइटी पार्क के निर्यात में 14 से लेकर 132% की वृद्धि दर्ज की गई।

सम्पादकीय

चर्चित चर्चा: सवाल... हमारे संविधान की अहमियत का...?

ओमप्रकाश मेहता
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

विश्व के सभी प्रजातंत्रीय या लोकतंत्री देश हमारे देश के संविधान की न सिर्फ तारीफ करते हैं, बल्कि अमेरिका जैसे देशों ने तो उसकी नकल भी की है, किंतु आज जब हमारे संविधान को लागू हुए करीब पचहत्तर वर्ष पूरे होने जा रहे है...., इस पर अनेक सवाल उठाए जा रहे है और ये सवाल और कोई नही बल्कि उसी दल के नेता उठा रहे है, जिन्होंने आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक समय सत्ता में रहकर मौजूदा संविधान को जन्म देने का श्रेय लूटा, इसी दल ने सत्ता में रहते अब तक इस संविधान पर एक सौ से अधिक तीर चलाकर इसे शरशैय्या पर पड़े रहने को मजबूर किया है, अपनी मनमर्जी से संविधान को तोड़ने-मरोड़ने वाला दल आज सत्तारूढ़ दल पर संविधान के विपरीत काम करने के आरोप लगा रहा है, आज के मुख्य प्रतिपक्षी दल के वे नेता जिनका जन्म इस संविधान के लागू होने के बाद हुआ और जिन्होंने स्वयं संविधान नही पढ़ा। आज संविधान में मीन-मैख निकाल रहे है।

वैसे यह भी एक कटु सत्य है कि अब तक हर सत्तारूढ़ दल ने हमारे संविधान को धार्मिक ग्रंथ रामायण, श्रीमद्भागवत गीता, कुरान और गुरूग्रंथ साहब की तरह लाल कपड़े में लपेट कर रखा और इसका उपयोग सिर्फ और सिर्फ इसे हाथों में लेकर शपथ तक ही सीमित रखा, इसका सही अर्थो में अनुसरण करने का किसी भी सत्ताधारी दल ने प्रयास नही किया, जबकि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आम्बेड़कर ने बड़ी आशा व उम्मीदों के साथ इसकी रचना की थी, किंतु सिर्फ पचहत्तर साल की अवधि में ही हमारे संविधान की अंतिम यात्रा की तैयारी की जा रही है और उसे देश का मार्गदर्शक नहीं मानकर एक धर्मग्रंथ की मानिंद इसका उपयोग किया जा रहा है। हमारे इसी संविधान का अगले साल हीरक जयंति वर्ष है, इस वर्ष को जोर-शोर से मनाने की तैयारी भी की जा रही है, सत्ता और विपक्ष दोनों ही इस दिशा में तैयारी कर रहे है, किंतु मेरी दृष्टि में संविधान की हीरक जयंती मनाने के सही पात्र वे है, जिन्होंने इसकी कायदे से इज्जत कर इसे ईमानदारी से लागू करने और इस पर अपने आपको समर्पित करने का प्रयास किया हो, लेकिन अब तो हमारे इस संविधान को भी राजनीतिक नारा बनाने का प्रयास किया जा रहा है? क्या संशोधन की शरशैय्या पर पड़े इस संविधान की गति भी द्वापर के महाभारत के भीष्म पितामाह जैसी ही होगी? इसी बात को लेकर आज पूरे विश्व के देश भारत का मजाक उड़ा रहे है और आरोप लगाया जा रहा है कि संविधान को भारत के सत्ता में रहने वाले राजनीतिक दलों ने सत्ता-सुरक्षा-हथियार बना रखा है। अब यह आरोप कहा तक सही है, यह तो भारत के आत्मचिंतन के बाद ही पता चलेगा, किंतु यदि इसमें तनिक भी सच्चाई है तो यह हमारे लिए शर्मनाक है, क्योंकि संविधान को हमने हमेशा सत्ता का मार्गदर्शक सिद्धांत माना है और वही मंत्र रहा है। इसलिए अब यह जरूरी हो गया है कि मौजूदा हालातों में हमारे संविधान पर समय व परिस्थिति के अनुसार सही समीक्षा होना चाहिए और विश्व के अलोचक देशों को मुंह तोड़ जवाब दिया जाना चाहिए तथा अब इतनी देरी से ही सही हमारे संविधान को पूरी निष्ठा-ईमानदारी और सच्चाई के साथ लागू किया जाना चाहिए और यह अपेक्षा मोदी जी के प्रधानमंत्री रहते उनसे ही की जा सकती है?

लोकसभा चुनाव-2024 में ऑनलाइन सुविधाएं...

संजय गोस्वामी | लेखक

चुनाव आयोग द्वारा तकनीक का इस्तेमाल वोटर के लिए किया गया है लेकिन भाषण और इधर उधर की बातें सुनने के कारण हम उनके अच्छे कार्यो को समझ नहीं पाते है चुनाव आयोग का सत्ता या विपक्ष से कोई लेना देना नहीं है वो हमेशा निष्पक्ष चुनाव के लिए ही कार्य करता है जिसे ना सिर्फ सही इलेक्शन कराने हेतु एक आयोग है बल्कि आचार सहिंता को सही तरह से लागू करने की भी जिम्मेदारी होती है यदि ऐसा ना होता तो हरसमय सरकार नहीं बदलती अतः जो जानकारी आपको साझा की जा रही है उससे आप समझ सकते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष आयोग है आज देश एवं प्रदेश में प्रभावित क्षेत्र में लोकसभा चुनाव-2024 में टेक्नोलॉजी का प्रभावी उपयोग होने लगा है। प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से मतदाता लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित करने से लेकर चुनावी रण में राजनीतिक दलों से संबंधित योद्धा के चुनाव जानकारी देना आसान हो गया है. चुनाव आयोग द्वारा सभी तकनीकें अब एक प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग है क्लिक पर कई तरह की जानकारी हासिल किया जा सकता है। चुनाव के दौरान अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की दिशा में एक कदम है। यह एक बड़ा कदम है. सी-विजिल, सुविधा पोर्टल, डिवाइस सॉफ्टवेयर आदि।

ग्लोबल हेराल्ड

ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे चुनाव कार्य आसान हो गया है। हुए हैं। आम मतदाताओं से चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी, अधिकारी चुनाव आयोग द्वारा प्रदान किया जाना है ये ऑनलाइन सुविधाएं क्या हैं? टूल्स का उपयोग करके आप अपना काम आसानी से और किसी भी तरह से कर सकते हैं चुनाव संबंधी कार्यक्रमों में किसी भी मामले में टेक्नोलॉजी से आम मतदाता तक सीधी पहुँच गया। ऑन- लाइन सुविधा पोर्टल कोई राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि चुनाव संबंधी कार्यक्रमों की जानकारी किसी भी प्रकार का कार्य आदेश यह अनुमति सीधे अपने घर पर दें, ऑनलाइन सुविधा पोर्टल का उपयोग कर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इसका असर किसी भी राजनीतिक दल पर पड़ेगा या चुनाव संबंधी किसी भी मामले में उसका प्रतिनिधि किसी भी प्रकार की अनुमति प्राप्त करने के लिए निर्वाचन विभाग कार्यालय में जाएं। इधर- उधर भटकने से मुक्ति मिल गई। घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करें चुनावी जनसभा जैसे कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिल सकती है. जिसके लिए चुनाव अधिकारी विभिन्न राजनीतिक दलों के क्षेत्र प्रतिनिधियों को भी जागरूक किया जाए ताकि तकनीक का अधिक उपयोग किया जा सके अधिक उपयोग किया जा सकता है. प्रौद्योगिकी आधारित ऑनलाइन डाइस और वेब सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध हैं तैयारियों को समय से पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है. सभी डीडीए यानी निकासी और यह संवितरण अधिकारियों के लिए है यह पासा उपयोगी साबित हो रहा है वे वेब सॉफ़्टवेयर का उपयोग कर रहे हैं सभी डीडीए के लिए समय अवधि निर्धारित मैं अपने संबंधित विभाग में कार्यरत हूं. कर्मचारियों और अधिकारियों का डेटा इस वेब सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि अपलोड की गई है करना ही है। जिसका उपयोग चुनाव में किया जाएगा विभाग की ओर से मतदान की प्रक्रिया पूरी की गयी इसे पूरा करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है के लिए किया जाना है. के साथ वोट करें प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा कर विभिन्न मतदान केंद्रों पर कर्मचारियों की तैनाती की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। मैं यहां हूं। विभिन्न विभाग कौन से हैं? इस वेब सॉफ्टवेयर में डेटा दर्ज करते समय विभागाध्यक्षों को यह करना होगा कर्मचारी की सेवानिवृत्ति, विकलांगता एवं अन्य विभिन्न कारणों से चुनाव ड्यूटी छूट प्राप्त श्रमिकों का चिन्हीकरण इसे सही तरीके से किया जाना चाहिए ताकि ऐसे किसी कर्मचारी की चुनाव ड्यूटी चुनाव संबंधी ड्यूटी जो लगाई जा सकती हैं चुनावी प्रक्रिया देने में सक्षम नहीं है पूरा करने में सभी को मतदान करना है चुनाव के दौरान पोलिंग पार्टियों की भी टेंशन बढ़ जाती है. विभाग के आदेश पासा और वेब सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही किया जाएगा है। इन चुनावों में सी- विजिल ऐप भी यह वरदान साबित हो रहा है. इस ऐप पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन प्रत्यक्ष चुनाव के संबंध में शिकायतें आया सेक्स से किया जा सकता है. शिकायत पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की आगामी कार्रवाई को भी ट्रैक किया जाता है जा सकता है। चुनाव आयोग की ओर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से इस माध्यम से भारत एवं प्रदेश के प्रत्येक जिले में सी- विजिल ऐप के बारे में आम जनता जागरूक होगी। के बारे में जागरूकता से संबंधित अभियान बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है सभी शिकायतें कम करें होना। सी- विजिल एप पर आदर्श आचरण संहिता उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त करें वहां भी जा चुके हैं. अब तक देश भर से इस ऐप पर जो शिकायतें आई हैं. जिनका चुनाव जनता के कहने पर हुआ 1 से 2 घंटे के अंदर जांचें हो गया है. वर्तमान समय निर्वाचन विभाग में मेरा कोई नहीं है शिकायत लंबित नहीं है. निर्वाचन विभाग के आँकड़ों के मुताबिक अधिकांश आचरण संहिता उल्लंघन शिकायतें वाहनों पर चिपकाने की आई हैं। इस ऐप के जरिए भी व्यक्ति शिकायत कर सकता है. इसमें शिकायतकर्ता की पहचान पूरी होती है इसे गुप्त रखने का भी प्रावधान है. शिकायतकर्ता का अपना शिकायत दर्ज करने से पहले आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन गतिविधियों के संबंध में आचार संहिता उल्लंघनकर्ता का एक फोटो या विवरण एक मिनट का वीडियो बनाकर उसके बारे में संक्षिप्त जानकारी देनी है. शिकायत लेकर आऐ व्यक्ति की जानकारी स्वचालित रूप से इसे कुछ ही मिनटों में संबंधित जिला नियंत्रण कक्ष को भेज दिया जाता है उड़नदस्ते की टीमें मौके पर भेजने कार्रवाई निष्पादित किया जाता है. सी- विजिल एप पर शिकायत होते ही शिकायतकर्ता को भेजा जाता है, एक यूनिक आईडी प्राप्त की जाती है, इसके माध्यम से शिकायतकर्ता शिकायत कर सकता है मोबाइल पर भी शिकायत को ट्रैक कर सकते है इस ऐप की खासियत यह है कि इसे एक साथ काम करने वाले लोग भी इस्तेमाल कर सकते हैं। चुनाव आयोग तीन पक्ष टोर सी-विजिलएप को सफल बना रहे हैं। शिकायतों पर समय पर प्रतिक्रिया के लिए 100 मिनट जैसे ही उपयोगकर्ता वास्तविक समय में ऑडियो, वीडियो या डेटा कैप्चर करता है, गणना शुरू हो जाती है। जैसे ही उपयोगकर्ता द्वारा उल्लंघन किया गया नियम की रिपोर्ट मिलती है, मिंनटो में काम चालू हो जाती, खुद को सी- विजिल में रजिस्टर किया जा सकता है . जब कैमरा चालू होता है, तो ऐप स्वचालित रूप से जियो- टैगिंग सुविधा चालू कर देता है।डेटा कैप्चर कर उल्लंघनकर्ता की पहचान को सक्षम बनाता है. इससे उड़नदस्ते की टीम उल्लंघन की सूचना मिल सटीक लोकेशन जान सकते हैं. लोगों द्वारा ली गई तस्वीरों को अदालत में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति गुमनाम होकर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. इस तरह का तकनीक पूरा चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाता है बल्कि अधिकतम उपयोग ऐप के माध्यम से किया जा सकता है ,ऐ सभी दलों और चुनाव उम्मीदवारों के लिए एक समान प्रणाली भी स्थापित की जाती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि चुनावी प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है. सफलता प्राप्त करने का एकमात्र तरीका शिकायत को ट्रैक कर उसका तुरंत निष्पादन करना है। इसलिए हम ऐसा कह सकते हैं चुनाव आयोग तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है आम मतदाता तक सीधी पहूंच गया।लोकसभा चुनाव- 2024 में टेक्नोलॉजी से स्वतंत्र मतदान द्वारा लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित की जा सकती है।

भाजपा के चक्रव्यूह में नहीं फंसे राहुल और प्रियंका?

लगता है कांग्रेस चुनाव लड़ना सीख गई है। रायबरेली और अमेठी को लेकर अंत तक कांग्रेस ने सस्पेंस बनाकर रखा। भाजपा अमेठी और रायबरेली में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के लिए जाल बिछाकर बैठी हुई थी। इस जाल में फंसने के स्थान पर कांग्रेस ने तगड़ी चुनौती, भाजपा के लिए खड़ी कर दी है। भाजपा ने सोचा था, दोनों भाई बहन खड़े होंगे। अगले चरण के चुनाव प्रचार में राहुल और प्रियंका अपनी सीटों पर फंस जाएंगे। कांग्रेस, राष्ट्रीय स्तर के चुनाव प्रचार में बहुत कमजोर पड़ जाएगी। दोनों अपनी-अपनी सीटें निकालने के लिए पूरा अस्तित्व दांव पर लगा देंगे। तीसरे चरण के बाद के सारे चुनाव में भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं रहेगी। परिवारवाद को लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार को घेरने में भाजपा सफल होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। भाजपा की सारी ताकत यूपी में है। मुख्यमंत्री के रूप में आदित्यनाथ योगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो स्वयं बनारस से चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों योद्धाओं के होते हुए राहुल और प्रियंका को सबक सिखाने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी, उस चक्रव्यूह में कम से कम राहुल और प्रियंका नहीं फंसे।

राहुल गांधी सबसे सुरक्षित रायबरेली से लड़ने जा रहे हैं। यहां से सोनिया गांधी सांसद हैं। गाँधी परिवार की सक्रियता रायबरेली में बनी हुई थी। राहुल गांधी को रायबरेली में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। रायबरेली से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने का असर अमेठी सीट पर भी पड़ेगा। अमेठी की सीट एक बार राहुल गांधी हार चुके हैं। वहां से गांधी परिवार ने अपने सबसे विश्वासी किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतार दिया है। राजीव गांधी के समय से वह अमेठी संसदीय क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अमेठी के मतदाता उन्हें जानते हैं। उनके माध्यम से कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को चुनौती दी है। स्मृति ईरानी यदि किशोरी लाल शर्मा से हार गईं तो स्मृति ईरानी का राजनीतिक कैरियर भी खत्म हो जाएगा। वहीं गांधी परिवार को दांव भी नहीं लगाना पड़ा। प्रियंका गांधी कांग्रेस की स्टार प्रचारक बनकर देश भर के सभी राज्यों में घूम- घूम कर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करेंगी। राहुल गांधी भी अगले चरणों के चुनाव प्रचार में लगे रहेंगे। बीच-बीच में वह रायबरेली में भी रहेंगे। भाई बहन की यह जोड़ी राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रहेगी। भाजपा चाहती थी, इन दोनों को उत्तर प्रदेश में रायबरेली और अमेठी में फंसाकर उन्हें चुनाव प्रचार से बाहर कर दिया जाए। भाजपा को इंडिया गठबंधन और कांग्रेस से जो चुनौती मिल रही है, उसका मुकाबला करने की रणनीति भाजपा की फेल हो गई है। अब राहुल गांधी को भगोड़ा कहा जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है, कि यदि किशोरी लाल शर्मा को लड़ाना था, तो कांग्रेस को पहले ही घोषणा कर देनी चाहिए थी। प्रियंका गांधी रायबरेली या अमेठी से चुनाव लड़ती, तो आसानी से जीत सकती थीं। वह क्यों नहीं लड़ीं। राहुल कहते हैं डरो नहीं, लेकिन राहुल और प्रियंका खुद चुनाव लड़ने से डर रहे हैं। सही मायने में इन्हें भी मालूम था, कि उनके लिए यह सब कहा जाएगा। गांधी परिवार व्यक्तिगत लड़ाई लड़ने की जगह पर इस बार राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस को जिताने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने जिस तरह से कांग्रेस संगठन को छिन्न-भिन्न कर, राहुल गांधी और कांग्रेस को चुनाव मैदान से बाहर करने की कोशिश की थी। इसका माकूल जवाब समय आने पर कांग्रेस की ओर से दिया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राजनीति के कच्चे खिलाड़ी नहीं हैं। राहुल गांधी को पप्पू से नेता बनने में 5 साल का समय लगा है। सही मायने में भाजपा ने राहुल गांधी और कांग्रेस को चुनाव लड़ना सिखा दिया है। मार-मार कर कैसे पहलवान बनाया जाता है, इसका सटीक उदाहरण राहुल गांधी हैं। मोदी और राहुल के बीच में अब सीधा मुकाबला है। विपक्ष में रहकर किस तरीके से चुनाव लड़ा जाता है। किस तरह की रिस्क ली जाती है। जिनसे लड़ रहे हैं, उन्हें कैसे भ्रमित कर लड़ाई लड़ी जाती है। रायबरेली और अमेठी सीट को लेकर जितनी बीजेपी परेशान थी, वैसी परेशानी कांग्रेस में नहीं थी। सारा गोदी मीडिया अमेठी और रायबरेली में डटा हुआ था। अंतिम समय पर कांग्रेस ने जो निर्णय लिया, उससे भाजपा के साथ-साथ गोदी मीडिया भी हतप्रभ है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और गोदी मीडिया ने जो जाल बिछाया था, उसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस नहीं फंसी। भाजपा के लिए तीसरे चरण से लेकर सातवें चरण तक के चुनाव में भाजपा के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। यह बात भाजपा और मीडिया अच्छे तरीके से जानता है। प्रियंका गांधी की चुनावी सभाओं और रेलियों में जिस तरह की भीड़ जुट रही है। जिस तरह से वह मतदाताओं के साथ संवाद कर रही हैं। मीडिया की भाषा में इफेक्टिव कम्युनिकेशन के रूप में माना जाता है। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के संवाद का असर मतदाताओं के बीच में हो रहा है। 2013 और 2014 में नरेंद्र मोदी को लेकर जो भरोसा मतदाताओं के बीच में जगा था। भाई बहनों की इस टीम से भाजपा और नरेंद्र मोदी को वही चुनौती मिल रही है। इसकी कल्पना किसी ने भी नहीं की थी।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

आत्मबल के लिए...

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई।

एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

हीरो ने अप्रैल में बेचे 5.33 लाख वाहन

मुंबई। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा है कि उन्होंने अप्रैल 2024 में 5,33,585 से अधिक यूनिट बेचकर नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत की है। यह अप्रैल 2023 की तुलना में 34.7 प्रतिशत की वृद्धि को ?दिखाता है, जब निमार्ता ने 3.96 लाख यूनिट बेचे थे और मार्च 2024 की बिक्री के 9 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई थी, जो 4,90,415 यूनिट थी। देशी दोपहिया निमार्ता की मोटरसाइकिलों की बिक्री अप्रैल 2024 में 4,96,542 यूनिट और अप्रैल 2023 में 3,68,830 यूनिट रही। स्कूटरों की बिक्री अप्रैल 2024 में 37,043 यूनिट और अप्रैल 2023 में 27,277 यूनिट रही। कुल घरेलू बिक्री अप्रैल 2024 और अप्रैल 2023 के लिए क्रमशः 5,13,296 यूनिट और 3,86,184 यूनिट थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 733 अंक, निफ्टी 172 अंक नीचे आया

मुम्बई ■

शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार की तेज शुरूआत हुई पर कुछ समय बाद ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। इसके बाद ये सिलसिल बाजार बंद होने तक चला। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में जमकर बिकवाली हुई। आज इंट्रा-डे कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 1,143 अंक नीचे आकर 73,468 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी-50 22,350 अंक से नीचे आ गया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स

732.96 अंक करीब 0.98 फीसदी टूटकर 73,878.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,467.73 और 75,095.18 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 172.35 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 22,475.85 अंक पर बंद हुआ। इसमें आज 22,348.05 और 22,794.70 के बीच कारोबार हुआ। दिग्गज कंपनियों में बिकवाली के दबाव में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों में भी भारी गिरावट आई। वहीं शुरूआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड हाई पर थे। यह दूसरी बार है जब निफ्टी 22,700 के स्तर को पार करने के बाद तेजी से नीचे आया है। ऐसे में बाजार जानकारों का मानना है कि निफ्टी आने वाले समय में सीमित दायरे में कारोबार करेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के शेयर बेचने से भी बाजार पर दबाव आया। मार्च में ठहराव के बाद, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अप्रैल में घरेलू इक्विटी से 6,300 करोड़ रुपये निकाले। मई के पहले कारोबारी सत्र में भी निवेशकों ने 964 करोड़ रुपये के शुद्ध शेयर बेचे। वहीं गत दिवस बाजार मामूली बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे रुझानों की वजह से बाजार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई।

एप्पल करेगा बड़ा बायबेक, फिर खरीदेगा 10 अरब डॉलर के शेयर

नई दिल्ली। विनिमार्ता कंपनी एप्पल के स्टॉक में शानदार तेजी देखने को मिली है। दरअसल, कंपनी ने 10 बिलियन डॉलर के शेयर को बॉयबैक करने की घोषणा की। कंपनी के इस ऐलान के बाद निवेशक कंपनी के शेयर खरीदने में जुट गई। माना जा रहा है कि यूएस के इतिहास में पहली बार कोई कंपनी ने इतने ज्यादा स्टॉक को वापस खरीद रही है। एम-कैप के हिसाब से एप्पल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी मानी जाती है। वर्ष 2018 में कंपनी ने 100 बिलियन डॉलर के शेयर को खरीदा था। अब कंपनी ने अपने पिछले रिकॉर्ड को पार करने वाली है। अगर अमेरिकी के इतिहास में टॉप-10 शेयर के बायबैक को देखा जाए तो उसमं से 6 एप्पल और 3 गूगल है।कंपनी ने शेयर बायबैक के साथ 25 सेंट के डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

चावल-मसालों और डेयरी सहित अन्य उत्पादों की भी होगी जांच

नई दिल्ली ■

एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बाद खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले फोर्टिफाइड चावल, डेयरी उत्पादों व मसालों जैसे अन्य खाद्य पदार्थों की जांच शुरू करने की योजना बनाई है।

फल व सब्जियों, मछली उत्पादों में साल्मोनेला जैसे खाद्य पदार्थों की भी निगरानी की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) मसाला, जड़ी-बूटियां, दूध और दूध से बने उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाएगा। सिंगापुर और हांगकांग की गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को देखते हुए एफएसएसएआई पहले से ही

एमडीएच और एवरेस्ट सहित सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने ले रहा है। सभी मसालों के नमूने इसलिए लिए जा रहे हैं, ताकि यह जांचा जा सके कि वे एफएसएसएआई मानदंडों को पूरा करते हैं या नहीं। पिछले हफ्ते एफएसएसएआई ने कहा था कि वह नेस्ले के सेरेलैक के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया में है। दावा है कि कंपनी उत्पाद में ज्यादा चीनी का उपयोग कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 2020-21 में 1,07,829 से बढ़कर 2023-24 में 4,51,000 से अधिक हो गई है। इस आधार पर तीन गुना ज्यादा नमून लिए गए हैं। 2020-21 में 1,07,829 नमूने लिए गए। 2021-22 में 1,44,345 नमूनों का विश्लेषण किया गया। 2022-23 में 1,77,511 नमूनों का विश्लेषण किया गया। पिछले वित्त वर्ष में 4,51,296 नमूने लिए गए।

आभार, धन्यवाद्

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय व सदस्यों ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर आभार व धन्यवाद देते हुए उनके कार्यकाल में विभिन्न योजनाओं व विषय पर काम करने संबंधित पत्रक प्रस्तुत किया। अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अंतरसिंह आर्य व सदस्य निरुपम चाकमा, रि आशा लकड़ा, जाटोतू हुसैन व सचिव अलका तिवारी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति से मुलाकात कर नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए पत्र के माध्यम से आयोग निम्न बिंदुओ पर कार्य करने की रचना भेट की गई। जिसमे वार्षिक कार्य योजना के तहत आयोग अनुसूचित जनजाति के कल्याण एवम् विकास हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु प्रत्येक तिमाही में विभिन्न राज्यों का दौरा तथा समीक्षा बैठके की जावेगी। युवा संवाद के तहत अनुसूचित जनजाति के युवा 15 से 22 वर्ष जो की आर्थिक परिस्थियों एवम् शिक्षा के अभाव में भ्रमित होकर बाहरी संगठनों के दबाव में आकर इनको जनजाति संस्कृति से दूर कर रहे है तथा उन्हे द्वारा इनका शोषण किया जा रहा है जिससे हमारी संस्कृति समाप्त हो रही है। इस लिए अनुसूचित जनजाति के युवा में शिक्षा एवम् जनजातीय संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए युवा संवाद कार्यक्रम प्रस्तावित है। मानव तस्करी की रोकथाम

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य राज्यों जैसे झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आदि राज्यों में मानव तस्करी की रोकथाम के लिए कार्य करेंगे। लोक सभा चुनाव के उपरांत देश के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जनजाति का उनके अधिकार एवम् उन्हे प्राप्त विभिन्न सुरक्षणो के बारे में जाग्रति हेतु जागरूकता कैंप का आयोजन किया जागेगा। कैंप कार्यालय के माध्यम से आयोग की पहुंच बड़ाना वर्तमान में आयोग के सिर्फ 6 क्षेत्रीय कार्यालय है अतः अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की समस्या के निराकरण हेतु अन्य राज्यों में कैंप कार्यालय खोलना प्रस्तावित है। अनुसूचित जनजातियो के विचाराधीन बंदियों एवम् सजायाफ्ता केदियो को न्यायिक उपचारों/प्रावधानों का लाभ दिलाया जाना आयोग ने बताया की यह ज्ञात हुआ है की अनुसूचित जनजाति के बहुत से विचाराधीन बंदी वर्षो से जेलों में निरुद्ध है जिन आरोपों पर उन्हें जेलों में विचाराधीन कैदी के तौर पर बंद रखा गया है उन पर दिए जाने वाले अधिकतम दंड से अधिक अवधि जेल में व्यतीत कर चुके हैं पर शिक्षा जानकारी, एवम् जमानत राशि के अभाव में जेलों में निरुद्ध है। आजीवन कारावास से प्राप्त इन वर्गों के कुछ बंदी सजा पूरी होने के बाद भी जेलों में ही है ओर उन्हे न्यायिक उपचारों का लाभ नही मिल पा रहा है आयोग विभिन्न राज्यों से जानकारी मांगी है इन बंदियों की सहायता किसी की जाए इस विषय पर कार्य करेंगे। सुप्रीम कोर्ट इंटर्शिप न्यायिक सेवाओं में पदो और अधिवक्ता के रूप में अनुसूचित जनजाति के कमतर प्रतिनिधित्व को देखते हुआ आयोग सर्वोच्च न्यायालय के साथ मिलकर एक इंटर्नशिप स्कीम बना रही है जिससे अनुसूचित जनजाति के लॉ ग्रेजुएट्स को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के साथ मिलकर 1 वर्ष की इंतरशीप कराई जावेगी जिससे वे अपना कैरियर बना सके।

खरीदी केंद्रों में कम संख्या में पहुंचे किसान, फसल बिक्री में नहीं ले रहे रुचि

बालाघाट ■

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, सरसो की खरीदी प्रारंभ है। लेकिन फसल बिक्री में किसान रुचि नहीं दिखा रहे हैं। गिने-चुने ही किसान केन्द्रों तक पहुंचे हैं। जिन्होंने अपनी फसल गेहूं की बिक्री की है। जिले में अभी तक महज 22 सौ क्विंटल ही गेहूं की खरीदी हो पाई है। जबकि किसी भी किसान ने चना नहीं बेचा है। इधर, चना, सरसो की खरीदी 31 मई तक की जाएगी।

अभी तक महज 22 सौ क्विंटल ही हो पाई है गेहूं की खरीदी

जानकारी के अनुसार गेहूं, चना, सरसो सहित अन्य फसलों की समर्थन मूल्य पर 26 मार्च से खरीदी शुरू हुई है। गेहूं, चना, सरसो की बिक्री को लेकर शुरू से ही किसानों ने रुचि नहीं दिखाई। अभी तक गिने-चुने किसान ही केन्द्र तक पहुंच पाए हैं। लिहाजा, केंद्रों में वीरानी छाई हुई है। विदित हो कि सरकार समर्थन मूल्य पर किसानों से 2225 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं, 5440 रुपए चना और 5650 रुपए प्रति क्विंटल की दर से सरसो की खरीदी कर रही है। बावजूद इसके किसान अपनी उपज बेचने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

9 केंद्रों में 31 तक होगा चना, सरसो की खरीदी

जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर चना और सरसो उपार्जन के लिए 31 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में पंजीकृत किसानों के लिए 9 उपार्जन केंद्रों का निर्धारण किया गया है। इन केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर उपार्जन अब 31 मई तक किया जा सकता है। बालाघाट के उपार्जन केंद्र गोंगलई, विपणन सहकारी समिति टाकाबर्रा में बालाघाट के 579, किरनापुर के 308 किसानों ने पंजीयन करवाया है। वहीं खैरलांजी तहसील के उपार्जन केंद्र सेवा सहकारी समिति खरखड़ी, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सावरी में 931 और शासकीय कृषि प्रक्षेत्र किन्ही सेवा सहकारी समिति मर्यादित खैरलांजी में 555 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

करीब 9 हजार किसानों ने कराया है पंजीयन

समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, सरसो सहित अन्य फसलों के लिए जिले से 9 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इसमें गेहूं विक्रय करने के लिए किसानों का पंजीयन अधिक है। जिले में गेहूं की खरीदी के लिए 24 केंद्रों का निर्धारण किया गया है। जबकि चना, सरसो के उपार्जन के लिए केंद्रों के निर्धारण में संशोधन किया गया है। अब चना, सरसो का उपार्जन केवल 9 केंद्रों में ही होगा।

किसानों में है नाराजगी

फसल के समर्थन मूल्य को लेकर किसानों में नाराजगी है। दरअसल, भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान धान 31 सौ रुपए, गेहूं 27 सौ रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने की घोषणा की थी। लेकिन घोषित मूल्य पर अमल नहीं हो पाया है। धान को पुराने मूल्य 2183 रुपए में ही खरीदा गया। जबकि गेहूं को 2225 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। जिसके चलते किसानों में नाराजगी है। किसानों का कहना है कि भाजपा अपने घोषणा को पूरा करें।

बिगड़े बोल पर बवाल: जीतू के बयान से गरमाई सियासत, इमरती ने दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल ■

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा अशोकनगर में पूर्व मंत्री व भाजपा नेत्री इमरती देवी को लेकर दिया गया बयान बवाल का सबब बन गया है। मामले को लेकर भाजपा नेता मुखर हो गए हैं। चुनाव का मौका देख जीतू पटवारी ने इमरती देवी को बड़ी बहन व मां समान बताकर माफी मांगी है। वहीं, शुक्रवार देर शाम इमरती देवी ने पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

पटवारी ने पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर दिए विवादित बयान पर उनसे माफी मांगी है। पटवारी ने अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा कि उनकी मंशा सिर्फ सवाल को टालने की थी, किसी को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। इमरती देवी उनकी बड़ी बहन हैं और बड़ी बहन मां जैसी होती है। उधर, पटवारी ने अपने बयान को लेकर सफाई पेश करते हुए कहा कि अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैं पिछले दिनों ग्वालियर में था, वहां एक ऑडियो को लेकर मुझसे सवाल पूछा गया था। उस सवाल को टालने के लिहाज से मेरे द्वारा वक्तव्य दिया गया था, लेकिन मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर गलत संदर्भ में पेश किया गया। मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि मेरा संदर्भ सिर्फ सवाल को टालने का था और उसके अलावा कोई दूसरा इरादा नहीं था। यदि मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं अपने बयान को लेकर खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। बयान किसी भी प्रकार से किसी भी संदर्भ में मेरे मन में नकारात्मक भाव नहीं था ना किसी का मजाक उड़ाना था।

कांग्रेस के लोगों को सद्बुद्धि दें ईश्वर : देवी

इधर, इमरती देवी ने जीतू पटवारी के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी है। इमरती देवी ने कहा कि मैं तो ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि कांग्रेस के लोगों को सद्बुद्धि दे। कभी कमलनाथ बोलते हैं आइटम, कभी दिग्विजय सिंह बोलते हैं टचिंग माल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बोलते हैं कि रस निकल गया। कांग्रेस के लोगों को ऐसा नहीं करना चाहिए। बाबा साहब के संविधान से ही सभी महिलाएं बाहर निकली हैं। जबकि मैं तो एससी समाज की महिला हूं। अगर एससी समाज की महिलाओं के साथ इतना गलत व्यवहार कांग्रेस कर सकती है, तो यह उनके लिए अच्छी बात नहीं है। मैं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से निवेदन करती हूं कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से इस्तीफा ले लेना चाहिए।

पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भाजपा की ओर से कहा गया है कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा दलित विरोधी रहा है, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी से लगाकर अब भाजपा की दलित वर्ग की वरिष्ठ नेत्री इमरती देवी के खिलाफ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा बेहद घटिया और आपत्तिजनक बयान देकर हमारी मातृशक्ति के प्रति अपनी सामंती सोच का परिचय दिया है। जीतू पटवारी के बयान को लेकर अब इमरती देवी जी ने डबरा थाने पर अजा एक्ट के तहत शिकायत दर्ज करवाई है।

राजगढ़ में वीडी शर्मा ने कहा- दिग्विजय सिंह संघ और हमारे बीच पैदा करना चाहते हैं विभेद

राजगढ़ ■

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने तलेन में आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह संघ व हमारे बीच विभेद पैदा करना चाहते हैं। देश के अंदर जो जयचंदों की भूमिका में आने वाले लोग होते हैं, वह सारे गुण दिग्विजय सिंह के अंदर हैं।

दिग्विजय सिंह इंटरव्यू में कह रहे थे कि संघ के लोग बड़े अच्छे हैं, ईमानदार हैं, लेकिन भाजपा के लोग चोर है। अब आप मुझे बताओ, संघ हमारा मातृ संगठन है कि नहीं। संघ जो कहता है, उसका हम पालन करते हैं कि नहीं। शर्मा ने दिग्विजय सिंह की तुलना रावण से भी कर डाली। भाजपा कार्यकताओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि सात तारीख को इस रावण रूपी विचार को समाप्त करना है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस

की ओर से लोकसभा प्रत्याशी प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जिनको की पूरा प्रदेश मिस्टर बंटाधार के नाम से जाना जानता है वह सनातनी विरोधी हैं और अब वह राजगढ़ से चुनाव लड़ रहे हैं। राजगढ़ की जनता को उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने अपने 10 साल के कार्यकाल में राजगढ़ सहित पूरे मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर रख दिया था। उन्होंने कहा कि राजगढ़ में पलायन की स्थिति बन चुकी थी। भाजपा सरकार ने मोहनपुरा, कुंडलिया, कुशलपुरा, बांध बनाकर असिंचत खेती को सीचिंत किया है।

जयपुर में भोपाल की लेडी डॉक्टर से रेप, आरोपी डॉ. ने दोस्त बनकर दिया धोखा

भोपाल। भोपाल की रहने वाली एक डॉक्टर से राजस्थान के जयपुर में रेप का मामला सामने आया है। आरोपी भी डॉक्टर है जिसने पहले दोस्ती फिर प्यार के जाल में फंसाकर लेडी डॉक्टर से कई बार शारीरिक संबंध बनाए और अब शादी से मुकर गया। आरोपी के शादी से इंकार करने के बाद लेडी डॉक्टर ने अपने साथ हुई ज्यादती की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

युवती को होटल में बुलाकर की दरिंदगी, दांतों से काटा- नाखूनों से नोंचा

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज स्थित एक होटल में अनाथ युवती के साथ युवक द्वारा हैवानियत करने की घटना सामने आई है। आरोपी ने युवती को मिलने के लिए बुलाया और होटल ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके शरीर को दांतों का काटा और नाखूनों से भी नोंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और मारपीट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रेप केस में उज्जैन डिप्टी कलेक्टर गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर अभय सिंह खराड़ी को रेप के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। रेप केस दर्ज होने के बाद से ही अभय सिंह फरार चल रहे थे और पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थी। डिप्टी कलेक्टर अभय सिंह ने पुलिस से बचने के लिए अपना मोबाइल बंद कर रखा था लेकिन पुलिस ने उन्हें गुरुवार रात भोपाल से ढूंढ निकाला और शुक्रवार को बड़वानी ले जाकर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

अभय सिंह बराड़ी करीब एक महीने पहले ही उज्जैन डिप्टी कलेक्टर बने थे इससे पहले वो बड़वानी में एसडीएम थे। बड़वानी

की ही रहने वाली एक महिला ने उनके खिलाफ 29 अप्रैल को रेप की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि एसडीएम रहते हुए अभय सिंह ने उसे डरा धमकाकर उसके साथ कई बार रेप किया। मामला दर्ज होने के बाद से ही अभय सिंह फरार हो गए थे और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी।

शिवराज सिंह चौहान की इमोशनल अपील बोले- अब मेरा विदाई का समय है...

सीहोर ■

विदिशा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के बुधनी में चुनाव प्रचार के दौरान जनता से भावुक अपील की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस दौरान ये भी कहा कि मैं आपके लिए ही जियूंगा और मरूंगा। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर मैं अच्छा हूं तो इस बार सारे भेदभाव भूलकर भैय्या और मामा के लिए वोट करना।

शिवराज की भावुक अपील- सीहोर के बुधनी में चुनाव प्रचार करने पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

मेरे मित्रों अब मेरा विधायक के नाते विदाई का समय है। इसलिए मैं आज आपसे कहने आया हूं, कि अगर मैंने अच्छा काम किया है तो ऐसी विदाई देना कि मेरा काम पूरे हिंदुस्तान में दिखे। शिवराज सिंह चौहान ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर मैं अच्छा इंसान हूं और मैंने अच्छा काम किया है तो मैं प्रार्थना करता हूं सारे भेद-भाव भूलकर वोट करें।

मामा दिल्ली जा रहा है- शिवराज सिंह

सभा के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर कहा कि मामा भी दिल्ली जा रहा है लेकिन दिल्ली जाकर भी मैं आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। साथ छूटेगा नहीं, ये प्यार का रिश्ता है,ये दिलों का रिश्ता है, ये आत्मा का रिश्ता है और जो दिलों के रिश्ते होते हैं वो पदों से नहीं बने होते हैं वो तो आत्मा से बने होते हैं। बता दें कि मध्यप्रदेश में तीसरे चरण में 7 मई को भोपाल सहित जिन 9 सीटों पर चुनाव होने हैं उनमें विदिशा भी शामिल है।

विश्वासघात, अनैतिकता व अदूरदर्शिता का अनूठा परिणाम जनक संगम! सूरत-इंदौर चुनाव

राजीव खंडेलवाल
(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार)
Email- rajeevakhandelwal@yahoo.co.in
Blog-www.aandolan.com
ग्लोबल हेराल्ड

कांग्रेस! मैच फिक्सिंग का आरोप। पुनः सेल्फ गोल!

सूरत-इंदौर चुनाव को लेकर आत्मघाती गोल की विशेषज्ञता कांग्रेस का बीजेपी पर मैच फिक्सिंग का आरोप तो बहुत ही बेहूदा, हास्यास्पद एवं पुनः सेल्फ गोल है। मैच फिक्सिंग का मतलब भाजपा व कांग्रेस सहित समस्त अन्य दलीय व निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच एक छिपी हुई सहमति का होना है। इसका शाब्दिक अर्थ मैच की उस अवस्था को कहते हैं, जिसमें मैच के नियमों का उल्लंघन करते हुए परिणाम पहले से ही निश्चित हो जाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश का एक्स पर लिखते हुए कि यह ह्यलोकतंत्र पर खतरा हैंह्न, इसे मैच फिक्सिंग करार दिया। इसका मतलब तो यही हैं कि यदि यह फिक्सिंग सिर्फ भाजपा व चुनाव आयोग के बीच हुई है, तो निर्विरोध चुनाव दूसरे उम्मीदवारों की उपस्थिति के कारण हो नहीं सकता था। अतः इस आरोप का दूसरा तार्किक अर्थ यह निकलता है कि इस मैच फिक्सिंग में नामांकन भरने वाली अन्य समस्त छोटी पार्टियां, निर्दलीय व कांग्रेस भी भाजपा के साथ शामिल हैं। यह तो सेल्फ गोल है।

अदूरदर्शी नेतृत्व! बदहवास कांग्रेस। इन मामलों को लेकर कांग्रेस नेतृत्व अपने कमजोरी को छुपाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के भारतीय संविधान का हवाला देते समय यह भूल जाती है कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान में यह प्रावधान नहीं किया था कि सत्ता पक्ष, विपक्ष के सही उम्मीदवारों का चयन कर सही तरीके से फार्म भरवाए और चुनाव कराये, ताकि विश्व में भारतीय लोकतंत्र के दिये की लौ जलती हुए दिखती रहे। दोनों जगह स्थानापन्न (डमी, वैकल्पिक) उम्मीदवारों का भी नामांकन खारिज हो जाना, कांग्रेस नेतृत्व की तथाकथित रणनीति, गंभीरता व अदूरदर्शिता को ही दिखाता है? कांग्रेस की लगातार हो रही बदहवासी के मात्र उक्त मामले ही नहीं हैं, बल्कि पूर्व में वर्ष 2009 में राजकुमार पटेल (पूर्व सांसद) जिन्होंने विदिशा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव चिन्ह आवटन का पत्र बी फार्म प्रस्तुत नहीं किया था और दूसरे भागीरथ प्रसाद (सेवा निवृत्त आएएस) जिन्हें वर्ष 2014 में कांग्रेस ने भिंड से अपना उम्मीदवार घोषित किया था, परन्तु उन्होंने कुछ सज्जनता बरतते हुए विश्वासघात न करते हुए टिकिट वापिस कर भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़कर जीते। ऐसी स्थिति से शायद ही देश की किसी अन्य छोटी अथवा बड़ी राजनैतिक पार्टी को गुजरना पड़ा हो।

चुनावी राजनीति की नई प्रणाली का ईजाद!

लोकसभा के इसी आम चुनाव में मध्यप्रदेश के खजुराहो संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार मीरा यादव का नामांकन एक जगह हस्ताक्षर न होने के कारण निरस्त कर दिया गया, वहां भी षड्यंत्र की बू की अपुष्ट खबरें हैं। अभी तीसरे दौर के चुनाव में इंदौर से कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम से भी नामांकन वापिस करवा कर सूरत का इतिहास दोहराने का आंशिक प्रयास अवश्य हुआ। मतलब कांग्रेस के उम्मीदवार ने फार्म तो वापस ले लिया। परंतु अन्य समस्त उम्मीदवारों के फॉर्म वापस न लेने अथवा न हो पाने के कारण इंदौर सूरत (निर्विरोध चुनाव की स्थिति) नहीं बन पाया। अभी तो सूरत बनने व बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है? पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री मुख्यमंत्री ममता का बंगाल में खेला होगा कि नहीं, यह देखना तो अभी शेष है, परन्तु उसी बंगाल के प्रभारी रहे व ममता बनर्जी को सफलता पूर्वक चुनौती (पहली बार लोकसभा की 18 सीटे भाजपा ने जीती थी) देने वाले कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय ने अपने घर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में बड़ा खेला कर चौका दिया। कांग्रेस के अक्षय कांति बम कांग्रेस के लिए फुस्सी बम होकर न केवल भाजपा के लिए बम फोड़ा है, बल्कि मोदी की स्वच्छता अभियान के पिछले 7 साल से प्रथम रहने वाला इंदौर व 2023 में इंदौर के साथ संयुक्त रूप से सूरत शहर ने प्रथम रहकर राजनीति में भी वही स्वच्छता को बनाए रखने के लिए एक बम फोड़ कर इंदौर व सूरत के कांग्रेस के कचरे को हटाकर कचरा से ऊर्जा बनाने वाली अपनी मशीन में डालकर नई ऊर्जा बनाकर/पाकर मोदी के कांग्रेस मुक्त भारत की सोच में भी महत्वपूर्ण योगदान किया है।

जन प्रतिनिधियों को बंधक किये जाने की राजनीति को बढ़ावा?

सूरत के बाद इंदौर की घटना ने कांग्रेस की सूरत को बदसूरत कर कालिक अवश्य पोत दी है। परंतु

अरूणाचल से प्रारंभ होकर खजुराहो, सूरत व इंदौर तक की लगभग एक ही तरह की नई चुनावी पद्धति की घटनाओं की श्रृखंला ने भविष्य की नई तरह की चुनावी राजनीति का संकेत अवश्य दे दिया है। इस नई नीति में पूर्व में चुने गये जन प्रतिनिधियों के साथ आज चुने जाने वाले उम्मीदवार को बंधक बनाने की नीति को बढ़ावा देने के साथ इसे होटल और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने की नई नीति भी कह सकते हैं। वह इसलिए की अब राजनीतिक पार्टियों को अपने उम्मीदवारों के साथ-साथ प्रस्तावकों को भी नामांकन वापसी की तारीख तक होटल में रखना या फिर बाहर घूमने फिरने भेजना होगा। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार अभी तक की राजनीति में, राजनीतिक दलों के टूटने पर या विधानसभा में बहुमत के प्रश्न पर जब बहुमत के आंकड़े छीण होते हैं, विधायकों को होटल में रखना या सैर सपाटे के लिए बाहर घूमने भेज देने की राजनीति पिछले कुछ समय से धड़ल्ले से सफलतापूर्वक चल रही है। देश में कुल 4126 विधानसभा क्षेत्र व 781 सांसद है। निर्दलीय उम्मीदवार को 10 प्रस्तावक लगते है। अब आप गणना कर लीजिए इनका खडे होने वाले उम्मीदवारों व उनके प्रस्तावकों की संख्या मिलाकर उनका कुल खर्चा। इस नई नवेली नीति का नई नवेली शादी के जोड़े का स्वागत करने के समान की बजाय, इस नीति के लोकतंत्र पर पड़ने वाले परिणाम पर गंभीरतापूर्वक विचार व आकलन करना आवश्यक हो गया है।

कम मतदान! बुद्धिमतापूर्ण, चतुर कदम!

हो रहे कम मतदान से लाभ-हानि के आकलन से इतर आकलन!

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा संसदीय चुनावी महाकुंभ के अभी दोनों फेसों के मतदान पूर्ण हो चुके हैं, जहां कुल 190 (लगभग एक तिहाई) लोकसभा क्षेत्र का भाग्य सील बंद हो गया है। इन दोनों फेसों में मतदान पिछले वर्ष 2019 की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत कम हुआ है। तथापि अभी-अभी चुनाव आयोग द्वारा जारी नवीनतम अधिकृत आकडों के अनुसार यह अंतर कम होकर लगभग 3 प्रतिशत हो गया है। समस्त विश्लेषक इसका आकलन अपने-अपने हिसाब से कर रहे हैं कि इसका परिणाम/दुष्परिणाम किस गठबंधन के पक्ष में होगा? परन्तु इसे मैं एक बिल्कुल अलग नजरिए से देखता हूं। आखिर कम मतदान का कारण क्या है? जब आप इस कम मतदान को नोटा के साथ मिलाकर देखेंगे तो आपके सामने एक नई पिक्चर ही सामने आयेगी। नोटा का उपयोग वे ही लोग करते हैं, जो वर्तमान राजनीतिक पार्टियों व उम्मीदवारों से परेशान हैं और संतुष्ट नहीं है। अतः वे खीझकर एक काल्पनिक उम्मीदवार नोटा जो उनकी कल्पना के शायद ज्यादा अनुकूल है, को वोट दे देते है, उस नोटा को जो कभी भी शासनारूढ (शासन) नहीं हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने नोटा का अधिकार देते समय लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 79 (घ) का उल्लेख करते हुए इस तथ्य को रेखांकित किया कि जिस प्रकार नागरिकों को मत देने का अधिकार है, उसी प्रकार उन्हें किसी भी उम्मीदवार को मत न देने का भी अधिकार प्राप्त है। मतलब इस अधिकार की पूर्ति नोटा द्वारा अथवा मतदान केन्द न जाकर भी की जा सकती है। मतदान केन्द्र में मत देने न जाने वाले मतदाता का कारण व रूख लगभग वही होता है, जो मतदान केन्द्र में जाकर नोटा का बटन दबाते है। अवश्य कुछ लोग अन्य कारणों से शादी-ब्याह, बीमारी या बाहर रहने के कारण वोट ड़ालने जाने से महरूम हो जाते हैं। इसलिए यदि वोटिंग व मत प्रतिशत बढ़ाना है, तो निश्चित रूप से नोटा को हटाना पड़ेगा। अथवा पुर्नगठन कर नोटा को प्रभावी व दंतयुक्त बनाना पड़ेगा, कैसे? जिसका उल्लेख मैंने पिछले लेख में किया है।

भारत नहीं रहा टेस्ट में नंबर वन, ऑस्ट्रेलिया ने छीना ताज

नई दिल्ली ■

टीम इंडिया अब टेस्ट में पहले स्थान पर नहीं रही। भारत ने नंबर वन का ताज खो दिया है। मैन इन ब्लू को यह झटका ऑस्ट्रेलिया ने दिया है। कंगारू अब दुनिया की नंबर वन टेस्ट टीम बन गई है। ढ्ढष्टष्ट ने शुक्रवार को टीम रैंकिंग जारी की। जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में नंबर वन पर कब्जा कर लिया है।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत को 209 रन से हराया था। ICC की वार्षिक अपडेट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के 124 रेटिंग हैं। जबकि दूसरे स्थान पर टीम इंडिया के 120 रेटिंग और 3108 प्वाइंट्स है। इंग्लैंड तीसरे स्थान पर बरकरार है। उसके 105 रेटिंग है।

वनडे फॉर्मेट में टीम इंडिया का दबदबा

टीम इंडिया ने भले की टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा दिया है, लेकिन वनडे ओवर में उसका दबदबा बरकरार है। भारत वनडे और टी20 रैंकिंग में टॉप पर काबिज है। भारतीय टीम के एकदिवसीय खेल में 122 रेटिंग है। ऑस्ट्रेलिया 112, दक्षिण अफ्रीका 112 और पाकिस्तान चौथे स्थान पर 106 रेटिंग के साथ है।

टी20 क्रिकेट में भारत शीर्ष पर कायम

टीम इंडिया टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। वह 264 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर है। ऑस्ट्रेलिया 257 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड (252) तीसरे और साउथ अफ्रीका (250) चौथे पायदान पर है।

अब तक खेले 8 में से 5 मैच भारत ने जीते

2022 वाली टी20 सीरीज को भारत ने 4-2 से अपने नाम किए। 2023 में भारतीय टीम फिर से वेस्टइंडीज के साथ टी20 सरीज खेलने गई और इस बार भी आखिरी के दो मैच फ्लोरिडा में खेले गए। चौथा मुकाबला भारत ने 9 विकेट से जीता तो 5वां मैच वेस्टइंडीज ने 8 विकेट से जीत लिया। भारतीय टीम ने अब तक अमेरिका में 8 टी20 मैच खेले हैं और 5 में उन्हें जीत मिली है तो सिर्फ 2 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया था, जो 2016 दौरे पर खेला गया था।

अमेरिका में पहली बार नहीं खेलेगी टीम इंडिया, अब तक खेल चुकी है 8 मैच, आंकड़े देख गदगद हो जाएंगे फैंस

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज अगले महीने 2 जून से होने जा रहा है। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड के साथ होगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। इसके बाद भारतीय टीम मेजबान यूएसए और फिर कनाडा का सामना करेगी। ये चारों मुकाबले अमेरिका में ही खेले जाएंगे। हालांकि भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ आज तक किसी भी फॉर्मेट में मैदान पर नहीं उतरी है लेकिन अमेरिका में ि केट खेच चुकी है। पहली बार भारतीय टीम साल 2016 में यहां आई थी, जहां उनका मुकाबला वेस्टइंडीज के साथ हुआ था। 2 मैच की सीरीज वेस्टइंडीज ने 1-0 से जीत ली। इसके बाद भारतीय टीम 2019 में फिर से 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज और अमेरिका गई, जहां पहले दो मुकाबले फ्लोरिडा में खेले गए। इस सीरीज के तीनों मैच भारत ने अपने नाम किए। साल 2022 में भारतीय टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज और अमेरिका दौरे पर गई और इस बार भी दो मैच फ्लोरिडा में खेले गए।

शरणार्थी ओलम्पिक टीम पेरिस से भेजेगी अमन का संदेश, शरणार्थी संकट को लेकर करेगी जागरूक

नई दिल्ली ■

अफगानिस्तान की पहली महिला ब्रेकडांसर, कैमरून में पैदा हुए एक ब्रिटिश बॉक्सिंग चैम्पियन और वेनेजुएला के एक अचूक निशानेबाज शरणार्थी ओलम्पिक टीम के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो जुलाई में होने वाले पेरिस खेलों में शिरकत करने वाले हैं। शरणार्थी ओलम्पिक टीम में कुल 36 खिलाड़ी होंगे, जिनके नामों की घोषणा, अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बैश ने गुरुवार को स्विट्जरलैंड के लौसाने में एक समारोह के दौरान की। ये 36 खिलाड़ी 11 देशों से होंगे और 12 खेलों में शिरकत करेंगे।

समिति के अध्यक्ष थॉमस बैश ने कहा कि आप इन खेलों में

शिरकत करके लचीलेपन और उत्कृष्टता में इंसान की संभावनाओं और क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। इससे दुनिया भर में विस्थापित लगभग 10 करोड़ लोगों को आशा एक संदेश जाएगा। इसके साथ ही आप दुनिया भर में अरबों लोगों को शरणार्थी संकट की विशालता के स्तर के बारे में जागरूक बनाएंगे। इस शरणार्थी टीम की संरचना को ओलम्पिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने मंजूरी दी है, जिसके लिए एक चयन प्रक्रिया का सहारा लिया गया। इसमें सबसे अधिक तो हर एक खिलाड़ी की खेलकूद क्षमता, कौशल और उत्कृष्टता के साथ-साथ, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी UNHCR द्वारा प्रमाणित शरणार्थी का दर्जा शामिल थे। इन 36 खिलाडियों का चयन उन शरणार्थी खिलाड़ियों में से किया गया था, जिन्हें ओलम्पिक समिति ने एक स्कॉलरशिप कार्यक्रम के जरिए समर्थन दिया था। यूएन शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैंडी ने कहा है कि शरणार्थी ओलिम्पिक टीम को अपने प्रदर्शन के जरिए उन सभी लोगों के लचीलेपन, साहस और उम्मीदों के बारे में याद दिलाना चाहिए, जिन लोगों को युद्ध या उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़न के लिए विवश होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ये टीम हमें ये भी याद दिलाती है कि खेलकूद, उन लोगों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकते हैं, जिनकी जिंदगियां अक्सर पीड़ाजनक परिस्थितियों में बाधित हुई हैं। ये परिवर्तन न केवल ओलम्पिक खिलाड़ियों के लिए, बल्कि सभी के लिए हैं।

विराट का अनुभव टी20 विश्वकप के लिए अहम रहेगा : अगरकर

नई दिल्ली ■

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है उनका अनुभव बहुमूल्य है और वह टी20 विश्व कप में हमारे लिए बेहद अहम हैं। अगरकर ने कहा कि इसी कारण हम आईपीएल में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर विचार नहीं कर रहे क्योंकि हम जाने हैं कि वह शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं।

विराट ने अब तक 10 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 500 रन बनाए हैं पर उनके 147 से कुछ अधिक का उनका स्ट्राइक रेट को कम बताया जा रहा है। वहीं अन्य बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का स्ट्राइक रेट 194 से अधिक हैं। इसके अलावा फिल सॉल्ट 180 से अधिक और सुनील

नारायण 182 से अधिक हैं। अगरकर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। वह आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं इसलिए कोई चिंता की बात नहीं है।' विराट का अनुभव बहुमूल्य है पर अगरकर का मानना है कि अगर बड़े स्कोर वाले मैच होते हैं तो बल्लेबाजी क्रम में पर्याप्त पावर हिटर हैं। अगरकर ने कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंतर है।

न थॉमस कप और न ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक, महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

चेंगदू (चीन)। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया।

दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-

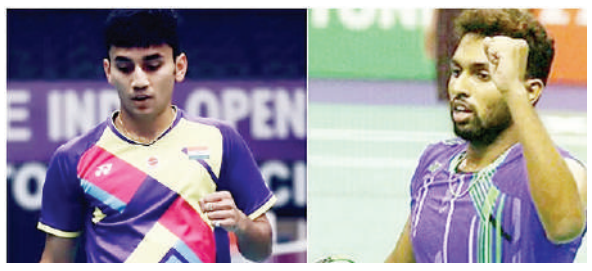

21, 21-11, 12-21 से हार मिली। युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोढ़ा के 22 साल के सेन ने दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गई। इससे पहले उबेर कप में अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ के संघर्षपूर्ण खेल के बावजूद भारत की युवा महिला टीम को जापान के हाथों 0-3 से हार मिली।

अब बॉलीवुड में नजर आयेंगे रसेल

मुम्बई। अपनी आक्रमक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल अब बॉलीवुड में भी कदम रख रहे हैं। रसेल पिछले कई साल से भारत में आईपीएल खेल रहे हैं। रसेल के प्रशंसक भी भारत में काफी हैं, इस कारण भी उन्हें भारत में रहना पसंद है। रसेल का कहना है कि उन्हें भारत में बहुत प्यार मिलता है। अब वह अभिनेत्री अविका गौर के साथ एक गाने में डांस करते दिखेंगे। ये गाना 9 मई को रिलीज होगा। रसेल ने कुछ दिन पहले ही इस गाने की शूटिंग का पहला शॉट देने की एक तस्वीर भी साझा की थी। रसेल शांता स्वभाव के हैं और आईपीएल में केकेआर की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपना जन्मदिन भी भारत में ही मनाया था।

मनोरंजन

फिल्म औरों में कहां दम था एक बार फिर से चर्चाओं में

बालीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई है। इसमें निर्देशक नीरज पांडे लम्बे समय बाद बतौर निर्देशक वापसी करने जा रहे हैं। दर्शकों को ए वडनेसडे, बेबी, नाम शबाना, अय्यारी सरीखी फिल्में देने वाले नीरज पांडे ने अपनी इस फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू को मुख्य भूमिका में लिया है। अजय देवगन तीन दशक से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। आज भी प्रशंसकों में अजय के लिए गजब का क्रेज है। निर्माता निर्देशकों के बीच उनकी जबरदस्त मॉंग बनी हुई है। इस साल अजय की दो फिल्में–शैतान और मैदान रिलीज हो चुकी हैं। आर माधवन के साथ आई फिल्म 'शैतान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। फिल्म को नई रिलीज डेट मिली है। पहले यह फिल्म 26 अप्रैल को ही प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन लगातार दो महीने में तीन फिल्मों का एक साथ प्रदर्शित होना निर्माताओं को सही नहीं लग रहा था। अजय की इससे पहले शैतान 8 मार्च और मैदान 11 अप्रैल को प्रदर्शित हुई थी। अब औरों में कहाँ दम था को 5 जुलाई को सिनेमाघरों में उतारा जाएगा। निर्देशक नीरज पांडे की इस फिल्म में अजय के साथ तब्बू लीड रोल में है। दोनों इससे 'विजयपथ', 'हकीकत', 'तक्षक', 'फितूर', 'दृश्यम', 'गोलमाल अगेन', 'दे दे प्यार दे', 'दृश्यम 2' और 'भोला' सहित कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। यह एक एपिक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो 2000 और 2023 के बीच सेट है।

फिल्म इंडियन-2 को लेकर चर्चाओं में कमल हासन

एक्टर कमल हासन इन दिनों अपनी फिल्म इंडियन-2 को लेकर खासी चर्चाओं में हैं।कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आए कमल हासन और उनकी बेटी एक्ट्रेस-सिंगर श्रुति हासन का बातचीत का एक वीडियो सामने आया है। इसे खुद श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो को लिगेसी ऑफ लव का नाम दिया गया है। दोनों एक-दूसरे से अपने बारे में खुलकर बात करते दिख रहे हैं। चैट के दौरान जब श्रुति ने कमल से पूछा कि उनकी कौन सी विश पूरी नहीं हुई है? तो उन्होंने बताया कि ऐसी बहुत सी इच्छाएं हैं, बहुत सारी। मेरा इरादा उन सभी को विश लिस्ट को पूरा करना नहीं है। किसी भी लिस्ट को तैयार करने से पहले आप सोचते हैं कि मुझे ये चाहिए, वो चाहिए। मैं सोचता था कि मुझे बस 10000 रुपए हर महीने चाहिए। मैं उन चीजों की एक लिस्ट बनाता था जो मैं उस पैसे से करना चाहता था। मुझे उस लिस्ट में क्या-क्या चाहिए ये भी याद नहीं है, लेकिन उन इच्छाओं ने मुझे सोने में मदद की। मैं एक स्कूटर खरीदना चाहता था, फिर मैं एक कार खरीदना चाहता था. अब, जब मेरे पास ये सब खरीदने के लिए पैसे हैं, तो मैं सोचता हूं कि मुझे क्या चाहिए? एक प्लेन? मैंने हाल ही में शाहरुख खान का एक इंटरव्यू देखा।

1990 के दशक में बाबा सहगल के रैप संगीत कैसेट थे बेहद लोकप्रिय

1990 के दशक की शुरुआत में बाबा सहगल के रैप संगीत कैसेट बेहद लोकप्रिय थे और वह अपना खुद का संगीत वीडियो बनाने वाले पहले लोगों में से एक थे। यह वह युग था जब बाबा ने किसी तरह एआर रहमान के स्टूडियो में अपनी जगह बनाई और वास्तव में उनके लिए गाया, लेकिन रैपर के अनुसार, यह रहमान के साथ उनका पहला और आखिरी गाना था। एक साक्षात्कार में बाबा ने याद किया कि वह बाबा के एक संगीत कार्यक्रम में चेन्नई में एआर रहमान और मणिरत्नम से मिले थे। संगीतकार और निर्देशक रोजा के संगीत एल्बम को हिंदी में रिलीज़ करना चाह रहे थे और यह बाबा ही थे जिन्होंने उन्हें संगीत लेबल, मैग्नासाउंड के संपर्क में रखा। बाबा ने कहा कि बातचीत के तहत उन्होंने एक शर्त रखी. शर्त में कहा गया था कि बाबा रोजा के हिंदी एल्बम में कम से कम एक गाना गाएंगे। मैंने तब कहा था कि मैं कम से कम एक गाना गाऊंगा, भले ही उन्हें यह पसंद आए या नापसंद हो। इसलिए मैंने एक गाना गाया और वह पहला और आखिरी गाना था जो मैंने रहमान के लिए गाया था। मैंने कहा कि आपको मुझे एक गाना देना होगा अन्यथा मैग्नासाउंड कोई सौदा नहीं करेगा। मैंने इसे गाया और यह हिट रहा। यह गाना था रुक्मणी रुक्मणी। बाबा ने कहा कि उन्हें गाने के बोल कमीने टाइप के लगे, वास्तव में गाने के बोल मिले तो वह काफी हैरान रह गए। तब म्यूजिक कंपनी ने उनसे कहा कि उन्हें गाना चाहिए, इसलिए अब उन्हें यह गाना गाना होगा। बाबा ने कहा कि वह आज भी अपने संगीत समारोहों में इस गाने के रीमिक्स संस्करण बनाते हैं। बता दें कि बाबा सहगल 1990 के दशक में भारत के पहले रैप कलाकारों में से एक थे जिन्होंने वास्तव में अपने संगीत से अपना करियर बनाया।

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चेनल वेब टीवी
editor@globalherald.news

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place, for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley, our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal. The project entails a huge plantation comprising 100000 trees, water conservation, organic farming and a wellness centre.
Spread across 220 acres of green land in Sarna
Situated near Kolar Dam, Bhopal.
Ample open space around the property
Fabulous Views over the countryside
Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits
MOB.+919977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**